सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 118 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 09 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

बस्तर पंडुम
प्रकृति और परंपरा का उत्सव

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
श्री अमित शाह जी
की गरिमामयी उपस्थिति में
समापन समारोह

9 फरवरी 2026, सोमवार - सुबह 11 बजे
स्थान : लालबाग मैदान, जगदलपुर

54,500+ प्रतिभागी कलाकार | 12 जनजातीय विधाएं

त्रि-स्तरीय आयोजन
(विकासखंड, जिला एवं संभाग)

संभाग स्तरीय आयोजन
(7-9 फरवरी)

705 चयनित कलाकारों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

बस्तर पंडुम से बनी बस्तर की विशिष्ट पहचान

वेशभूषा एवं आभूषण

चित्रकला

पूजा-पद्धति

शिल्प

नाट्य

जनजातीय नृत्य

पारंपरिक व्यंजन

वन-औषधि

जनजातीय पेय पदार्थ

आंचलिक साहित्य

गीत

वाद्ययंत्र

RO - 46829/98

संपादकीय

किसानों की आशंकाएं

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के सवाल

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलत: कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा।

> “ वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलत: कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे।

वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं।

इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

एक किताब और फिल्म को लेकर हंगामे से उपजे प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

बीते सप्ताह नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा एक पूर्व सेनाध्यक्ष द्वारा लिखी गई किताब को लेकर उठाए सवालों पर बहस की अनुमति न मिलने से लोकसभा बार-बार स्थगित हुई। मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। दरअसल, लोकतंत्र में 'रणनीतिक मामलों' संबंधी सूचना को नियंत्रित करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। जबकि बड़ा सवाल इस नियंत्रण की सीमा का है।

गत सप्ताह एक फिल्म और एक किताब देशभर में चर्चा के केंद्र में रही, 'घूसखोर पंडत' नामक फिल्म का शीर्षक बदलने और इससे जुड़ी तमाम प्रचार सामग्री हटाने पर नेटफ्लिक्स ने सहमति जताई है, इससे पहले कुछ नाराज़ लोगों ने 'जातिवादी' अपमान का विरोध किया, लखनऊ के हज़रतगंज पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय से शिकायत की— प्रकरण के आखिर में बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने जीत की घोषणा करते हुए कहा, 'सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'। भाटिया ने कहा, 'हम उनके खिलाफ़ सख्त से सख्त कार्रवाई करने को प्रतिबद्ध हैं जो व्यावसायिक लाभ के लिए किसी भी जाति या समुदाय का अपमान करते हैं',और आगे कहा : 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है'। यह साफ़ नहीं कि बीजेपी नेता को क्या यह पता है कि ऐसा करते वक्त वे हास्य में निहित पहलू दबाने के अलावा व्यंग्य की मौत का जश्न भी मना रहे हैं। निश्चित ही, हास्यास्पद शीर्षकों का चलन हटा देना चाहिए। या शायद अब इससे ज़्यादा फर्क नहीं पड़ता, खासकर तब जब आधा हफ्ता लोकसभा में बार-बार के स्थगन में निकल गया हो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूर्व सेनाध्यक्ष, जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखी गई एक किताब को लेकर लगातार सवाल उठाने पर बज़िद रहे। सत्ताधारी बीजेपी भी उतनी ही दृढ़ता से अड़ी रही, किसी भी चर्चा की अनुमति देने से इनकार करते हुए यह तर्क दिया कि किताब प्रकाशित नहीं हुई है और लिहाजा संसद में इस पर बहस नहीं की जा सकती।

जो चीज़ मौजूद नहीं, उस पर चर्चा संभव नहीं, ठीक? सिवाय इसके कि राहुल सदन के अंदर और बाहर प्रकाशन-पूर्व कॉपी लहराते रहे। हालांकि, इसकी पीडीएफ कॉपी पूरी दुनिया के पढ़ने के लिए उपलब्ध है। लेकिन सरकार भी सही है। किताब बाज़ार में उपलब्ध नहीं। रक्षा मंत्रालय अभी भी जांच कर रहा है कि इसकी सामग्री सही है या नहीं।

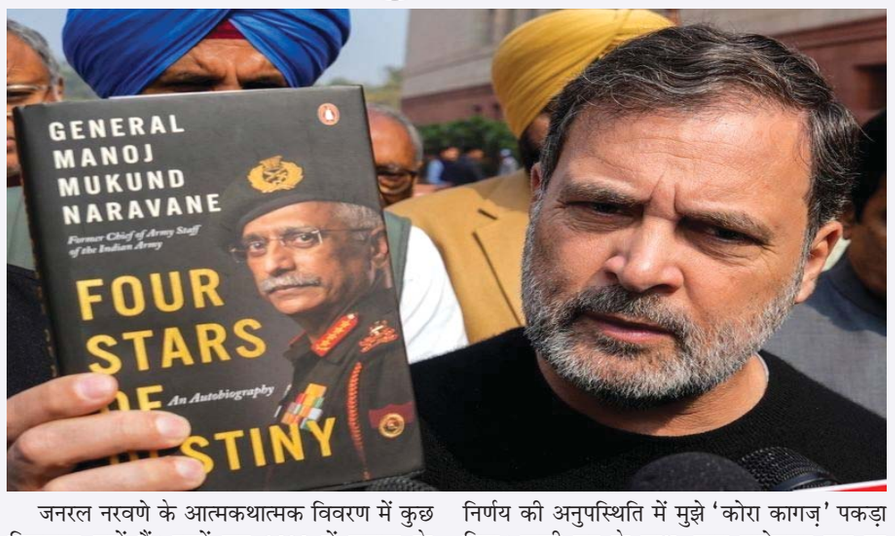

जनरल नरवणे के आत्मकथात्मक विवरण में कुछ दिलचस्प बातें हैं। इनमें जून 2020 में लद्दाख के गलवान में भारत-चीन के बीच हुआ टकराव शामिल है - जब 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, और चार चीनी सैनिक भी मारे गए थे, हालांकि रूस की 'तास' जैसी विदेशी समाचार एजेंसियों का कहना था कि 45 चीनी मारे गए थे - साथ ही कुछ महीने बाद कैलाश शृंखला में हुई कार्रवाई का जिक्र भी है। किताब में भूटान के प्रभावशाली पूर्व राजा, जिग्मे सिंग्ये वांगचुक, जो के-4 नाम से लोकप्रिय हैं, उनके साथ हुई बातचीत; रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तरफ से आए संदेश; इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री के साथ बैठकों का जिक्र भी शामिल है।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक साल से भी पहले किताब के प्रकाशक द्वारा भेजी प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया है,नरवणे लिखते है:'मैंने रक्षा मंत्री को स्थिति की गंभीरता बताई, जिन्होंने कहा कि वह मुझसे वापस संपर्क करेंगे, जो उन्होंने लगभग 22.30 बजे किया। उनका कहना था कि उन्होंने प्रधानमंत्री से बात की है और यह मामला पूरी तरह से एक सैन्य निर्णय है।'जो उचित समझो, वो करो'। किसी सुस्पष्ट निर्णय की अनुपस्थिति में मुझे 'कोरा कागज़' पकड़ा दिया। खुली छूट के साथ, सारा दारोमदार मुझ पर छोड़ दिया गया। मैंने गहरी सांस ली और कुछ देर चुपचाप बैठा रहा'। सोचकर देखिए, क्या किसी प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री को अपने सेना प्रमुख से यही नहीं कहना चाहिए? वे सेनाध्यक्ष इसीलिए हैं कि ज़मीनी हकीकत का उन्हें सबसे अच्छी तरह पता हो, खासकर जब दुश्मन आगे बढ़ रहा हो, और इसलिए देशहित में जो बेहतरीन हो, उसे वही करना चाहिए।

हम सब जानते हैं कि जब राजनीति सैन्य मामलों में दखल देती है, तो क्या होता है, और इसके उलट का भी। भारत के पड़ोसी देश ढोंग करने वालों से भरे पड़े हैं, सैन्य और सिविलियन दोनों ही रूपों में। लेकिन हर कोई जानता है कि शक्तियों के बंटवारे में, जो लोकतंत्र की रीढ़ है, कुछ व्यावहारिक नियम दोनों पक्षों के लिए साफ-स्पष्ट होते हैं। राहुल गांधी का तर्क है कि जब से सरकार सत्ता में आई है, राष्ट्रीय सुरक्षा उसका मुख्य मुद्दा रहा और जब 2020 में लद्दाख में संकट आया, तो प्रधानमंत्री अपने सेनाध्यक्ष को सही सलाह नहीं दे पाए। निश्चित ही यह बहस का मुद्दा बनता है। यानि, गलवान में चीनी आपको क्यों पीछे धकेल पाए, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए? उस झड़प में कोर कमांडर ले.जन. हरिन्दर सिंह की क्या भूमिका थी? आर्मी कमांडर, ले. जन. वाईके जोशी ने इसे कैसे संभाला? गलवान त्रासदी से क्या सबक सीखे? निश्चित ही राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा पवित्र मानकर बहस से परे रखा जाता है और संचालन विवरणों का सरेआम खुलासा नहीं किया जा सकता रक्षा मंत्रालय ने किताब का प्रकाशन इसीलिए रोक रखा है। लेकिन अब यह रोक बेमानी हो गई क्योंकि किताब की पीडीएफ कॉपी बड़े पैमाने पर पढ़ी जा रही है। जो बात रक्षा मंत्रालय नहीं चाहता था कि लोगों को पता चले, वह सबको मालूम है। और जो हमें इस छोटे से विवाद के सबसे महत्वपूर्ण सबक पर लाता है- जो निस्संदेह जल्दी ही किसी और मामले पर उठेगा- कि वह सारगर्भित शब्द, 'रणनीतिक मामला' जिसमें विदेश मामलों से लेकर आंतरिक सुरक्षा तक शामिल है, उससे संबंधित सूचना नियंत्रण क्षमता का लोकतंत्र में बहुत महत्व है। कारगिल युद्ध, जिसे कभी-कभी 'मीडिया युद्ध' भी कहा जाता है, इसका एक बड़ा सबक था। दूसरी ओर, ऑपरेशन स्नो लेपर्ड (लद्दाख में आमना-सामना) और ऑपरेशन सिंदूर, दोनों में एक अलग तरीका अपनाया गया, जो दुश्मन के सूचना चैनलों- वेबसाइटों, टीवी और वीडियो द्वारा प्रसारित मिथ्या प्रचार को टक्कर देने और अपना प्रचार करने के मकसद से। जब संघर्ष जारी हो, शायद तब इसका औचित्य हो, लेकिन स्थिति सामान्य होने के बाद, यह उलट पड़ जाती है।

पुराने समय में, जब दुनिया शीत युद्ध की वजह से दो गुटों में बंटी थी, तत्कालीन पूर्वी गुट में एक शब्द था 'सामिज़्दत', जिसके तहत प्रतिद्वंद्वी गुट की सरकारों द्वारा प्रतिबंधित किसी भी अख़बार, गद्य अथवा कविता की हस्तलिखित नकल करके उनके लोगों तक पहुंचा दो।'घूसखोर पंडत' और नरवणे की किताब दोनों इस श्रेणी में आते हैं। कभी-कभी आप सोचते होते होंगे कि क्या किताब की पीडीएफ उसी का आधुनिक प्रारूप है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

सहानुभूति विकसित करना स्कूल में बेहतर रैंक लाने से ज्यादा जरूरी है

एन. रघुरामन

हाल ही में जब मेरी एक रिश्तेदार अस्पताल में भर्ती थीं तो बेंगलुरु से आईं उनकी एक दोस्त ने रात को अस्पताल में रुकने की पेशकश की। वो मेरी परिजन की क्लासमेट थीं। असल में वह अपने पति की रिश्तेदारी में एक शादी की तैयारी के लिए आई थीं। रिश्तेदार के घर के बजाय उन्होंने अस्पताल में सोने का फैसला किया, ताकि मुझे थोड़ा आराम मिल सके। जब मैंने इस दयालु व्यवहार के बारे में अपने साइकोलॉजी प्रोफेसर से बात की तो उन्होंने मुझसे पूछा- 'क्या तुम्हारा स्कूल का वॉट्सएप ग्रुप है?'

मैंने कहा, 'हां।' 'क्या उसमें लड़के-लड़कियां दोनों हैं?' मैंने फिर 'हां' कहा। उन्होंने पूछा 'क्या तुम उस ग्रुप की किसी लड़की को कॉल करके पूछोगे कि क्या उनका अलग लड़कियों का ग्रुप है?' मैंने कहा कि 'कॉल की जरूरत नहीं, मुझे पता है उनका ग्रुप भी है- जहां वे मिलकर आपसी समस्याएं सुलझाती हैं।

उन्होंने मुस्कुरा कर कहा 'शायद इसी वजह से तुम्हारी उम्र की लड़कियां लड़कों से ज्यादा सहानुभूतिशील होती हैं।' मैं सहमत हो गया। यदि लड़कियों में किसी क्लासमेट के घर का कोई बुजुर्ग बीमार या चोटिल हो जाए तो वे शॉर्ट नोटिस पर भी तत्काल आपस में मिल लेती हैं। समान

परिस्थिति में लड़कों के साथ ऐसा नहीं होता। सहानुभूति ऐसी योग्यता है, जिसमें दूसरों की भावनाएं महसूस करके, समझ के, संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया दी जाती है।

बच्चे कैसे दोस्त बनाते हैं, मतभेदों से निपटते हैं और खुद को दूसरों के संदर्भ में कैसे देखते हैं इस सबके केंद्र में सहानुभूति ही होती है। ये न सिर्फ क्लासरूम क्लाइमेट बनाती है, बल्कि उनका पारिवारिक-कामकाजी जीवन भी गढ़ती है। बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के चलते कई देशों की शिक्षा नीतियों में एकेडमिक्स के साथ सहानुभूति जैसी सोशल-इमोशनल लर्निंग के महत्व पर भी विचार किया जा रहा है।

भावनात्मक समझ, दूसरों को और उनके दृष्टिकोण को समझना, एकजुट होकर समस्या सुलझाना, यह अब गणित पढ़ने जैसा जरूरी हो रहा है। दुर्भाग्य से, घरों में सहानुभूति को सिखाई जा सकने वाली स्किल के बजाय एक उम्मीद की तरह देखा जाता है। हम बच्चों से कहते हैं, दूसरों के और बेघर पशुओं के प्रति दयालु बनो, पर वही बच्चे कभी हमसे असहमत होते हैं तो हम उनकी बात नहीं सुनते।

मेरे साइकोलॉजी प्रोफेसर ने कहा कि 'अगर आप बच्चे में सहानुभूति बढ़ाना चाहते हैं तो पहले उसे महसूस कराइए कि उसकी बात सुनी जाती है।' यहां विशेषज्ञों के कुछ सुझाव पेश हैं।

1. सहानुभूति एक्टिव लिसनिंग से शुरू होती है। जब बच्चों से कहते हैं, 'तुम्हारी बात में पॉइंट है, मुझे सोचने दो' तो उन्हें लगता है कि बिना जजमेंट के उनकी बात सुनी गई। फिर कहते हैं, 'ये वाकई निराशाजनक लगता है, सच में तुम अलग-थलग महसूस कर रहे होगे।' तो बच्चों को लगता है, आप सुन रहे हैं। पैरेंट्स को ध्यान रखना चाहिए कि सुनने का मतलब हर बार सहमत होना नहीं, बल्कि स्वीकार करना है। इसी से सहानुभूति बढ़ती है।

2. भावनाओं को नाम दें। सोचो कि जब 14 महीने के बच्चे को पिता खिलौना दिलाने से इनकार करते हैं तो उसकी भावनाएं फूट पड़ती हैं। बच्चे भाषा सीखने से बहुत पहले भावनाएं महसूस करने लगते हैं और ये व्यवहार के रूप में सामने आती हैं। अब उसी बच्चे से पूछें कि 'क्या तुम्हें बुरा लगा?' बच्चा 'बुरा' का मतलब जाने बिना भी सिर हिला देगा। कुछ दिनों के बाद असहमति पर वह बच्चा बैड वर्ड भी बोलना सीख जाएगा। यह इसलिए अहम है, क्योंकि सहानुभूति भावना की पहचान से आती है। जो बच्चे खुद की भावनाओं को नाम दे पाते हैं, वही दूसरों की भावना पहचानने में भी बेहतर होते हैं। सहानुभूति भाषणों से नहीं बढ़ती। यह सुने जाने, समझे जाने और गाइड किए जाने के बारम्बार अनुभवों से बढ़ती है। बड़ों को असल जीवन या परदे पर देखकर बच्चे सहानुभूति सीखते हैं।

फंडा यह है कि सहानुभूति वो योग्यता है, जिसे अतिरिक्त गुण की तरह नहीं, बल्कि बुनियादी जीवन कौशल की तरह देखना होगा। बच्चों को इसे जानबूझकर सिखाना होगा, सतत उदाहरणों से समझाना होगा और रोजमर्रा की आदत में डालना होगा- महज घर ही नहीं, स्कूलों में भी।

सहनशक्ति बढ़ाकर करें जोखिम का मुकाबला

डॉ. रेनू सैनी

कुछ विरले ऐसे होते हैं जो गहन अवसाद और पीड़ा का सामना भी धैर्य और हिम्मत से करते हैं। ऐसे ही व्यक्ति आगे चलकर इतिहास रचते हैं। जापानी लोग बहुत ही सरलता से मुश्किल का सामना करते हैं।

कहते हैं कि मनुष्य और कॉकरोच दो ऐसे जीव हैं जो हर परिस्थिति में जीवित रहना जानते हैं। कई बार मनुष्य को चारों ओर अंधकार ही अंधकार नज़र आता है। पीड़ा इतनी गहन हो जाती है कि सब्र नहीं होता। ऐसे में कई लोग हार मान जाते हैं तो कुछ विरले ऐसे होते हैं जो गहन अवसाद और पीड़ा का सामना भी धैर्य और हिम्मत से करते हैं। ऐसे ही व्यक्ति आगे चलकर इतिहास रचते हैं। जापानी लोग बहुत ही सरलता से मुश्किल का सामना करते हैं। वे 'निनताई' शब्द में बहुत अधिक विश्वास करते हैं। इस जापानी शब्द का अर्थ बहुत गहरा और प्रेरणा देने वाला है।

'निनताई' दो शब्दों के मेल से बना है-निन और ताई। 'निन' का अर्थ है 'सहन करना' या 'छिपाना' और 'ताई' का अर्थ है 'प्रतिरोध' या 'झेलने की शक्ति'। निनताई ऐसी मानसिक शिक्त है जो हमें तब भी मैदान में टिकाए रखती है, जब बाकी सब हार मानकर जा चुके होते हैं। यह बिना शिकायत किए और बिना रुके चलने की कला है। इस कला को सीखने से हर मुश्किल काम व्यक्ति के लिए सहज हो जाता है। हमारे देश के क्रांतिकारियों ने भी 'निनताई' शब्द को अपने जीवन में उतार लिया था। उनकी सहनशीलता इस कदर बढ़ गई थी कि अंग्रेजों का बर्बर व्यवहार अंग्रेजों को ही चौंकाने पर मजबूर कर देता था। भारतीय क्रांतिकारी देश की खातिर अंग्रेजों के हर अत्याचार को बर्दाश्त करता था, मगर उन्हें अपने देश की महत्वपूर्ण बातों की भनक तक लगने नहीं देता था।

अविभाजित बंगाल के चटगांव जो कि अब

बांग्लादेश में है, के स्वाधीनता आंदोलन के नायक सूर्यसेन उर्फ सुरज्या सेन भी ऐसे ही वीर क्रांतिकारियों में से एक हैं। होश संभालते ही इन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने आरंभ कर दिए थे। इन्होंने अपने साथियों को गुरिल्ला युद्ध के लिए प्रेरित किया। 23 दिसम्बर, 1923 को इन्होंने चटगांव में असम-बंगाल रेलवे के ट्रेजरी ऑफिस को लूटा। इन्हें सबसे बड़ी सफलता चटगांव आर्मरी रेड के रूप में मिली, इससे अंग्रेज सरकार बुरी तरह छटपटा उठी। सूर्यसेन ने युवाओं को संगठित कर भारतीय प्रजातांत्रिक सेना नामक संगठन खड़ा किया। 18 अप्रैल, 1930 को सैनिक वस्त्रों में इन युवाओं ने चटगांव के सहायक सैनिक शस्त्रागार पर कब्जा कर लिया। सूर्यसेन मास्टर दा के रूप में अपने इलाके में प्रसिद्ध हो गए थे।

मास्टर सूर्यसेन ने इन गतिविधियों द्वारा अंग्रेजों को सीधे चुनौती दी थी। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर चटगांव को अंग्रेजी हुकूमत के शासन के दायरे से बाहर कर लिया था और भारतीय ध्वज को फहराया था। क्रांतिकारियों ने टेलीफोन और टेलीग्राफ के तार काट दिए और रेलमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। इन सभी सूचना माध्यमों को ध्वस्त करने के कारण चटगांव से अंग्रेज सरकार का संपर्क तंत्र टूट गया था। इस कारण अंग्रेजों को लोहे के चने चबाने पड़े।

अंग्रेज सूर्यसेन के पीछे हाथ धोकर पड़ गए। आखिर 16 फरवरी, 1933 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें गिरफ्तार करने के बाद अंग्रेजों ने उन पर अमानवीय और बर्बर अत्याचार किए। उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। लेकिन फांसी देने से पहले उन्हें बहुत अधिक यातनाएं दी गईं। फांसी पर लटकाने से पहले उनके हाथों के नाखून उखाड़ लिए गए। उनके दांतों को हथौड़ों से तोड़ दिया गया। उनके शरीर के सभी अंगों और जोड़ों को बुरी तरह तोड़ दिया गया। मरते-मरते भी सूर्यसेन ने अपने अंतिम पत्र में लिखा, 'प्रिय मित्रों, आगे बढ़ो और कभी अपने कदम पीछे मत खींचना। उठो और कभी निराश मत होना। सफलता अवश्य मिलेगी।' वर्तमान समय में तो 'निनताई' शब्द का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। आज युवाओं में असहनशीलता की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। युवा 'निनताई' के माध्यम से अपनी असहनशीलता को 'सहनशीलता' में प्रवृत्त कर सकते हैं।

इसके लिए उन्हें कोशिश करनी होगी कि जब भी कोई प्रोजेक्ट या काम बहुत अधिक थका दे, तो कुछ देर रुककर अध्यात्म की ओर मुड़ना। अपने अंतर्मन से ये संवाद करना कि श्रम और हिम्मत ही कार्य को पूर्ण कराते हैं। दर्द सहन करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम करना और पौष्टिक भोजन का सेवन करना। सुबह-सवेरे उठकर प्रकृति के सान्निध्य में पक्षियों और पेड़ों को करीब से देखना। आंखें बंद कर अपनी आंतरिक क्षमता को मजबूत बनाना। सत्य के साथ आगे बढ़ना और निरंतर सीखने की इच्छा को जाग्रत रखना। सदैव दूसरों की मदद के लिए तैयार रहना।

उपरोक्त बातें प्रत्येक व्यक्ति की 'निनताई' यानी कि सहनशक्ति को बढ़ा देती हैं और उन्हें जोखिमों से लड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। वही जीतता है जो जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। जो जोखिमों से डरता है, वह कहीं नहीं पहुंचता, उसे केवल उन साधनों से संतोष करना पड़ता है जो जोखिम उठाने वाले लोग छोड़ देते हैं।

वर्तमान एंव भावी पीढ़ियों पर बोझ

केंद्रीय आमदनी में कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा 18 फीसदी ही रह गया है, जबकि आम लोगों का कर योगदान 46 फीसदी पहुंच गया है। यह प्रतिगामी सूरत है। बजट से साफ है कि इसमें सुधार का कोई प्रयास नहीं किया गया है।

केंद्रीय बजट में 2026-27 में 53,47,315 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसका 24 फीसदी हिस्सा कर्ज लेकर जुटाया जाएगा। बाकी रकम टैक्स और गैर कर स्रोतों से आएगी। सरकार जो खर्च करेगी, उसका 20 प्रतिशत हिस्सा पहले से मौजूद कर्ज का ब्याज चुकाने में जाएगा। 22 प्रतिशत हिस्सा उगाहे गए कर में राज्यों का हिस्सा देने, 11 प्रतिशत हिस्सा रक्षा, और दो प्रतिशत केंद्रीय कर्मचारियों के पेंशन पर खर्च हो जाएगा। इसके अलावा केंद्र के अपने प्रशासनिक खर्चे हैं। उन सबके बाद पूंजीगत निवेश के लिए लगभग 17 करोड़ (सवा 12 लाख करोड़ सीधे पूंजीगत निवेश और सवा पांच करोड़ पूंजीगत संपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान) के लिए बचेंगे। अगले वित्त वर्ष में केंद्र लगभग 17 लाख करोड़ रुपये के नए कर्ज लेगा।

मगर इससे भी प्रस्तावित खर्च पूरा नहीं होगा। कुल मिलाकर 4.3 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा रह जाएगा। ये रविवार को पेश हुए आम बजट का सीधा गणित है। जब सरकार का लगभग एक चौथाई बजट कर चुकाने पर खर्च होने लगा है, तो समझा जा सकता है कि देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति क्या है। पिछले साल केंद्र ने 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया।

इस वर्ष उससे तीन लाख करोड़ रुपये अधिक लेने का इरादा उसने रखा है, तो उसकी वजह यही है कि अब ऋण चुकाने के लिए ऋण लेना पड़ रहा है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र ने आय कर और जीएसटी दरों में छूट देकर अपने लिए प्रत्यक्ष एवं परोक्ष दोनों करों से होने वाले आय को घटाया। नतीजतन, उसे और अधिक ऋण लेना पड़ेगा। सरकार चाहती, तो कॉरपोरेट टैक्स में 2019 में दी गई छूट वापस लेकर तथा धनी लोगों पर नए कर लगाकर राजकोषीय सेहत सुधार सकती थी। अब उसकी कुल आमदनी में कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा 18 फीसदी ही रह गया है, जबकि (व्यक्तिगत आयकर 21 प्रतिशत, जीएसटी 15 प्रतिशत, उत्पाद एवं कस्टम 10 प्रतिशत मिला दें, तो) आम लोगों का कर योगदान 46 फीसदी तक पहुंच गया है। यह प्रतिगामी सूरत है। मगर इसे सुधारने के बजाय सरकार और ऋण लेकर वर्तमान एंव भावी पीढ़ियों पर बोझ बढ़ा रही है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

वर्ष- 17 अंक - 118 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 09 फरवरी 2026 | पेज-3

खास-खबर

मोहरा एनिकट में डूबे दो छात्र, दोनों की मौत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां के मोहरा एनीकट में नहाने गए दो स्कूली छात्र रेण नदी में डूब गए, जिससे हड़कंप मच गया। 18 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों छात्रों के शव को बरामद कर लिया गया है। यह घटना विश्रामपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, रामनगर के मोहरा एनीकट में दो छात्र डूब गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि दोनों अपने अन्य दोस्तों के साथ नहाने के लिए मोहरा एनीकट पहुंचे थे, तभी गहरे पानी में दोनों डूब गए। 18 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों के शव को बरामद कर लिया गया है। साथ ही आगे की कार्रवाई भी शुरु कर दी है।

अमेरिका भारत को 25% पेनल्टी टैरिफ वापस करेगा

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में भारत को एक बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी प्रशासन ने न सिर्फ टैरिफ दर को 50% से घटाकर 18ज्ञ किया है, बल्कि रूस से तेल इम्पोर्ट के कारण पेनल्टी के रूप में लगाए गए 25% टैरिफ को वापस करने का भी फैसला लिया है। इस फैसले से भारतीय कारोबारियों को 40 हजार करोड़ की राहत मिलने की उम्मीद है। व्हाइट हाउस से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार 27 अगस्त 2025 से लेकर 6 फरवरी 2026 के बीच अमेरिका द्वारा किए गए जिन इम्पोर्ट पर यह पेनल्टी लगी थी, उनका रिफंड दिया जाएगा।

परीक्षा पे चर्चा : टेक्नोलॉजी का गुलाम न बनें - मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की। पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम ने कहा कि कभी भी टेक्नोलॉजी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्षमता बढ़ाने में करें। पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे।

दिन में बढ़ेगी गर्मी, 2-4 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम फिलहाल ड्राई बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में छत्तीसगढ़ के न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। हालांकि इसके बाद यानी अगले 2-4 दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान में अगले 7 दिनों तक खास बदलाव के आसार नहीं है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान 32 डिग्री राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री अंबिकापुर में रहा। राज्यभर में बारिश के आंकड़े शून्य रहे और किसी प्रकार का सक्रिय सिनॉप्टिक सिस्टम भी एक्टिव नहीं है।

विधायक रिकेश की अनूठी पहल : गर्भवती महिलाओं को एक रुपये में मिलेगी सोनोग्राफी की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन ने महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। विधायक सेन वैशाली नगर विधानसभा की गर्भवती महिलाओं के लिए मात्र 1 रुपये में सोनोग्राफी की सुविधा शुरू करने जा रहे हैं।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। इस योजना का शुभारंभ आगामी 15 फरवरी महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर किया जाएगा। यह सुविधा विशेष रूप से केवल वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले निवासियों के लिए ही होगी।

टोकन वितरण एवं प्रक्रिया

इस योजना का लाभ उठाने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया निर्धारित की गई है जिसके अनुसार जीरो रोड शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय में अवकाश दिवस छोड़ कर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक टोकन दिए जाएंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए जरूरतमंदों को अपने साथ आधार कार्ड और चिकित्सक द्वारा दी गई रेफ़र पर्ची लाना होगा।दस्तावेजों की जांच के पश्चात विधायक कार्यालय से टोकन जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से मात्र 1 रुपए में सोनोग्राफी कराई जा सकेगी।

एक रुपए में डायलिसिस सेवा भी

इस योजना के विषय में जानकारी देते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि क्षेत्र की माताएं और बहनें स्वस्थ रहें, यही हमारा संकल्प है। अक्सर आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार जरूरी जांचें नहीं करा पाते, जिसे ध्यान में रखते हुए हमने विधायक कार्यालय के माध्यम से यह सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी के दिन ही वैशाली नगर विधानसभा के लिए एक और योजना का शुभारंभ होने जा रहा है जिसमें मात्र 1 रुपये में डायलिसिस भी होगा।

बस्तर पंडुम : गृहमंत्री शाह ने कहा-31 मार्च तक हो जाएगा नक्सलवाद का समूल नाश

बस्तर पंडुम के समापन समारोह में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री अमित शाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर की जनजातीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित तीन दिवसीय बस्तर पण्डुम का समापन समारोह सोमवार को लालबाग मैदान जगदलपुर हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की। सोमवार दोपहर को बस्तर पंडुम का समारोह शुरू हुआ। इस मौके पर अमित शाह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रकृति और परंपरा का उत्सव के ध्येय वाक्य के साथ मनाया जा रहा बस्तर पंडुम अंचल की माटी की खुशबू और यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति को विश्व पटल पर प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा शामिल हुए। साथ ही मंत्री राजेश अग्रवाल, मंत्री केदार कश्यप, मंत्री रामविचार नेताम, मंत्री ओपी चौधरी,मंत्री टंकराम वर्मा, मंत्री दयालदास बघेल, लखनलाल देवांगन, मंत्री गजेन्द्र यादव, मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, सांसद महेश कश्यप, भोजराज नाग, विधायक किरण सिंहदेव, आदि उपस्थित रहे।

सीएम ने जताया आभार

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गृहमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि बस्तर अंचल से वे अपार स्नेह करते हैं। उनके संकल्प के अनुसार आज बस्तर में नक्सलवाद का अंत नजदीक आया है। हमारे जवान जिस साहस से नक्सवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं वह सराहनीय है। अपने संबोधन में सीएम साय ने सभी जवानों साहस को सराहा।

शाह ने दोहराया संकल्प थम रहा नक्सलवाद

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर पंडुम के समापन समारोह में बस्तरिया संस्कृति व आकर्षक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देखी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एक साल पहले इसी मंच पर कहा था कि आने वाले साल में बस्तर पंडुम का आयोजन और भी भव्य होगा। आज कार्यक्रम की भव्यता देखते ही बनती है। अमित शाह ने कहा कि जो बस्तर कभी नक्सल हिंसा का गढ़ माना जाता था, आज जनजातीय कला, संस्कृति और गौरव के उत्सव का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ व पूरे देश से नक्सलवाद का समूल नाश हो जाएगा। सुरक्षाबलों के लगातार स्थापित होते कैंप व कार्रवाई के कारण नक्सली सरेंडर कर रहे हैं।

दिल्ली के 11 स्कूलों को उड़ाने की धमकी

ई-मेल में अफजल गुरु का नाम बम निरोधक दस्ता तैनात

नई दिल्ली ए.। देश की राजधानी दिल्ली के 11 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। संसद पर हमले के लिए फांसी पर चढ़ाए गए आतंकी अफजल गुरु का नाम लेकर ई-मेल के जरिए धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते को तैनात कर दिया गया है। बम निरोधक दस्ता जांच में जुट गया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस के मुताबिक दिल्ली के 11 स्कूलों को बम से उढ़ाने की धमकी मिली है। इनमें दक्षिणी दिल्ली से तीन स्कूल भी शामिल हैं। धमकी भरे ई-मेल सुबह 8:30 बजे से 9:00 बजे के बीच प्राप्त हुए। सूचना मिलने के बाद फोर्स व बम निरोधक दस्ते को तैनात कर दिया गया है।

जिन स्कूलों को धमकी मिली उनमें लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल दिल्ली कैंट, श्रीनिवासनपुरी वेंकटेश्वर स्कूल रोहिणी, केम्ब्रिज स्कूल एनएफसी, द इंडियन स्कूल सादिक नगर, सीएम स्कूल रोहिणी, डीटीए स्कूल आईएनए, बाल भारती स्कूल रोहिणी, एयर फोर्स स्कूल लोदी रोड, केआर मंगलम, केम्ब्रिज स्कूल और इंडियन स्कूल शामिल हैं।

दूरदर्शन पर कल से होगा रायपुर साहित्य महोत्सव का प्रसारण

साहित्य पर्व' नाम से 6 दिन दिखेगा कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर साहित्य महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन का दूरदर्शन पर प्रसारण कल 10 फरवरी से प्रारंभ होगा। यह विशेष कार्यक्रम 'साहित्य पर्व' शीर्षक से दूरदर्शन पर प्रसारित किया जाएगा।

कार्यक्रम का प्रसारण 10, 12, 15, 17, 19 एवं 22 फरवरी को शाम 3.30 बजे किया जाएगा। दर्शक इस कार्यक्रम को टाटा प्ले चैनल नंबर 1174, डीडी फ्री डिश तथा डीडी छत्तीसगढ़ चैनल पर पूरे देश में देख सकेंगे। इसके अलावा यह कार्यक्रम डीडी छत्तीसगढ़ के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेगा। मोबाइल उपयोगकर्ता इसे 'WAVES' एप के माध्यम से भी देख सकते हैं, जिसे एप्पल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। 'साहित्य पर्व' का निर्माण जनसंपर्क विभाग के सहयोग से इरा फिल्म्स द्वारा किया गया है। इस प्रसारण के माध्यम से रायपुर साहित्य महोत्सव के प्रमुख सत्रों, चर्चाओं और साहित्यिक प्रस्तुतियों को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा।

छात्रा का मर्डर कर सिरफिरे ने खुद को मारी गोली

तरनतारन। पंजाब के तरनतारन के गांव उस्मा स्थित लॉ कॉलेज में सोमवार को एक सिरफिरे ने क्लासरूम में छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने उसी बंदूक से अपने आप को भी शूट कर दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान संदीप कौर (20) के तौर पर हुई है, जो नौशहरा पन्नुआं की रहने वाली थी। वहीं आरोपी युवक प्रिंस राज सिंह था। वह गांव मालियां का रहने वाला था। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। क्लारूम में मौजूद छात्राओं कमरे से बाहर की तरफ दौड़ी। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रिंस भी इसी कॉलेज का छात्र था।

खोखसा ओवरब्रिज केस में 12 लोगों पर कार्रवाई

सड़क सुधारने के नाम पर किया था आंदोलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में सड़क बदहाली को लेकर हुए चक्का जाम मामले में अब पुलिस की कार्रवाई सामने आई है। कोतवाली पुलिस ने विधायक व्यास कश्यप सहित 12 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया। हालांकि मामला जमानती होने के चलते सभी को मुचलके पर रिहा कर दिया गया है।

बता दें 30 जून 2025 को जर्वे-पीथमपुर रोड की जर्जर हालत को सुधारने की मांग को लेकर ग्रामीणों और

जनप्रतिनिधियों ने करीब छह घंटे तक जांजगीर-चांपा मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। इस दौरान एक एम्बुलेंस को भी रोके जाने का आरोप लगा था। एम्बुलेंस चालक की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया, जिसमें बताया गया कि 30 जून को शाम चार बजे एम्बुलेंस से मरीज लेकर अस्पताल जा रहा था। तभी खोखसा ओवरब्रिज पर रास्ता जाम था, जिससे अस्पताल पहुंचने में देरी हुई थी। जिसपर पुलिस ने विधायक व्यास कश्यप सहित 12 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 191(2) और 126(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया था।

इसी मामले में कोतवाली पुलिस के हवलदार राकेश तिवारी ने विधायक व्यास कश्यप और 12 अन्य आरोपियों को उनके कार्यालय में ही गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद सभी को जमानत पर रिहा कर दिया गया। वहीं इसपर विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि गिरफ्तारी से डरने का तो सवाल ही नहीं उठता। जनता के हक और उनकी आवाज की लड़ाई के लिए चाहे कितनी भी गिरफ्तारियां क्यों न हों, हम तैयार हैं।

संत समाज ने किया राजिम कल्प कुंभ के बहिष्कार का ऐलान

राजपत्र से नाम हटाने को बताया अपमान, सरकार से हस्तक्षेप की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजिम कल्प कुंभ 2026 को लेकर रायपुर के साधु-संतों में नाराजगी है। संत समाज ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जारी राजपत्र (गजट) में रायपुर के कई प्रमुख महंतों और संतों के नाम हटा दिए गए हैं। संतों ने इसे अपने समाज की उपेक्षा और अपमान बताया है।

रायपुर स्थित श्री सुरेश्वर महादेव पीठ में आयोजित प्रेस वार्ता में संतों ने कहा कि राजपत्र में जारी सूची से रायपुर के प्राचीन मठों से जुड़े कई संतों के नाम गायब हैं। इनमें महंत देवदास जी महाराज, महंत वेद प्रकाश, गोंडवाना समाज के संत निराहारी महाराज और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर सौम्या मां सहित अन्य संतों के नाम शामिल बताए गए हैं। संतों ने आरोप लगाया कि राजपत्र में बार-बार नामों के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। उनका कहना है कि पहले भी सूची में सीमित नाम होने की जानकारी मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री को दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। संत समाज ने इसे जानबूझकर किया गया अपमान बताया। संतों ने स्पष्ट किया कि जब तक नाम काटने-जोड़ने वाले अधिकारी को सामने लाकर उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक रायपुर के संत राजिम कल्प कुंभ में शामिल नहीं होंगे। संतों ने ऐसे व्यक्ति को 'कालनेमि' बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

वाहन चालक संघ ने किया प्रांताध्यक्ष का स्वागत

दुर्ग। जिले में वाहन चालक संघ के प्रांताध्यक्ष का आगमन हुआ। इस मौके पर वाहन चालकों ने स्वागत कर समस्याओं पर संघ के लोगों को अवगत कराया

राष्ट्रीय माउंटेन बाइक साइक्लिंग प्रतियोगिता

अरुणाचल के रोइंग में होगी चैंपियनशिप, छत्तीसगढ़ की टीम रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 22वीं राष्ट्रीय माउंटेन बाइक साइक्लिंग प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 15 फरवरी तक रोइंग अरुणाचल प्रदेश में किया जा रहा है। बीएसपी साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर एवं साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक चन्नावार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में शामिल होने छत्तीसगढ़ माउंटेन बाइक साइक्लिंग टीम रविवार को दुर्ग से रवाना हुई। 20 सदस्यीय यह टीम सीनियर पुरुष एवं महिला, जूनियर बालक, सब जूनियर बालक व बालिका तथा यूथ बालक व बालिका वर्ग में भाग ले रही है जिसमें से अधिकांश खिलाड़ी बीएसपी साइक्लिंग क्लब से संबद्ध हैं।

उन्होंने बताया कि विगत वर्ष छत्तीसगढ़ टीम को इस प्रतियोगिता में बेस्ट फेयर प्ले अवार्ड प्राप्त हुआ था। प्रतियोगिता पूर्व चयनित खिलाड़ियों का विशेष प्रशिक्षण शिविर भिलाई में आयोजित किया गया। जिसमें खिलाड़ियों को विभिन्न अप एंड डाउन टेरेन पर साइक्लिंग का प्रशिक्षण एन आई एस कोच प्रतीक मनोध्या द्वारा दिया गया है। इस प्रतियोगिता भारतवर्ष के समस्त राज्य, भारतीय पुलिस, सर्विसेज, भारतीय रेल जैसे प्रतिष्ठित टीम भाग लेंगे। अरुण कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनके प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ के कोषाध्यक्ष तोषेंद्र वर्मा उपाध्यक्ष साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ दुर्ग डिस्ट्रिक्ट ई वी सुनील, देवप्रकाश वर्मा, शशांक देशमुख, शशिकांत पांडे आदि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ माउंटेन बाइक साइक्लिंग सीनियर पुरुष टीम में साहिल नागवंशी, अभिषेक मिश्रा शामिल हैं। सीनियर महिला टीम में आकांक्षा, जूनियर बालक में सचिन कुमार, कृष्णा साह, सब जूनियर बालक हेमेंद्र साहू, अनुराग सोनी, योग ठाकुर, सब जूनियर बालिकाओं में पुष्पांजलि, राधिका कुमारी, यूथ बालक में आदित्य यादव, अनिमेष नायक, राहुल गजभिए, यूथ बालिका में निधि साहू, साक्षी सलामे, गीतिका साहू शामिल हैं। टीम के प्रतीक मनोध्या व तोषेंद्र वर्मा तथा मैनेजर नीरज कुमार मिश्रा व बीना मिश्रा को बनाया गया है।

आबकारी भवन में आग, तीसरी मंजिल के रिकॉर्ड खाक

रायपुर। राजधानी रायपुर के लाभांडी इलाके में स्थित आबकारी भवन में शनिवार देर रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग भवन की तीसरी मंजिल पर लगी, जहां आबकारी निगम का एक महत्वपूर्ण कार्यालय संचालित होता है। इस हादसे में विभाग की कई अहम फाइलें और दस्तावेज जलकर नष्ट होने की सूचना है।

बताया जा रहा है कि जिस अनुभाग में आग लगी, वहीं सोमवार से निगम के आय-व्यय से जुड़ा ऑडिट प्रस्तावित था। दिनभर ऑडिट की तैयारियों के चलते अधिकारियों और कर्मचारियों की आवाजाही रही, लेकिन रात में कार्यालय बंद होने के कुछ समय बाद आग भड़क उठी। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत तीसरी मंजिल पर स्थित ऑडिट से जुड़े कक्ष से हुई। जब तक दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, तब तक आग रिकॉर्ड रूम को भारी नुकसान पहुंचा चुकी थी। कई महत्वपूर्ण दस्तावेज पूरी तरह जल चुके थे। जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

विजय शर्मा ने सरेंडर युवाओं को दिए स्मार्टफोन व टूलकिट

जगदलपुर। जगदलपुर से सकारात्मक बदलाव की खबर है। बस्तर में मुख्यधारा में लौटे युवाओं को अब तकनीक और स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। राज्य सरकार ने आत्मसमर्पण कर चुके युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ स्मार्टफोन और टूलकिट प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बीजापुर जिले के फूड एंड बेवरेज क्षेत्र में प्रशिक्षित 30 पुनर्वासित युवाओं को टूलकिट, स्मार्टफोन और पासिंग आउट सर्टिफिकेट सौंपे। उन्होंने कहा कि आज स्मार्टफोन केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि सीखने और कमाई का साधन भी है। सरकार की योजना है कि ये प्रशिक्षित युवा पर्यटन से जुड़े 'होम स्टे' मॉडल में भी भूमिका निभाएं। राज्य की होम स्टे योजना के तहत ग्रामीण परिवार अपने घर में एक कमरा तैयार कर पर्यटकों को ठहरने की सुविधा दे सकते हैं। होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण प्राप्त ये युवा संचालन, सेवा और प्रबंधन में सहयोग कर गांव में ही रोजगार पा सकेंगे। सरकार का मानना है कि इस तरह के प्रयासों से बस्तर में विकास की नई कहानी लिखी जा रही है, जहां हिंसा की जगह अब कौशल, तकनीक और रोजगार ले रहे हैं।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था द्वारा मेहमान प्रवक्ता हेतु 11 तक आवेदन

सूरजपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सूरजपुर के नोडल क्षेत्र के अंतर्गत जिला सूरजपुर में संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण अधिकारी के स्वीकृत पदों के रिक्त पदों के विरुद्ध व्यवसायो/विषयों के लिये प्रशिक्षण सत्र 2025-26 हेतु मेहमान प्रवक्ता (गेस्ट लेक्चर) हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। जिसमें कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) हेतु 01 पद, प्लंबर हेतु 01 पद एवं विद्युत कार हेतु 01 पद कुल 03 पद रिक्त हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 फरवरी अपरान्ह 5:30 बजे तक है। आवेदको द्वारा स्पीड पोस्ट,पंजीकृत डाक, स्वयं नोडल आईटीआई सूरजपुर में उपस्थित होकर जमा कर सकते है। निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त/जमा आवेदनो पर विचार नहीं किया जावेगा। अधिक जानकारी हेतु रोजगार और नियोजन के आगामी अंक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सूरजपुर की सूचना पटल (नोटिस बोर्ड) पर देख सकते हैं एवं सूरजपुर के एन.आई.सी. के वेबसाईट Surajpur.nic.in से डाउनलोड कर सकतें हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाएं

सारंगढ़ बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन राज्य के श्रमिक वर्ग के लिए मददगार कई योजनाएं संचालित है, जिसका उद्देश्य श्रमिक वर्ग के परिवार को लाभ देकर खुशहाल करना है। इससे आवास, इलाज, छात्रवृत्ति, औजार, कोचिंग, सायकल आदि की निशुल्क सामग्री और सुविधा तथा आर्थिक सहायता दी जाती है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना से 1000 से 50000 तक सहायता राशि दी जाती है। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना अंतर्गत 20000 एकमुश्त सहायता राशि 03 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम 02 अविवाहित पुत्रियों जिनकी आयु 18 वर्ष से 21 वर्ष हो एवं कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण हो, उसे दिया जाएगा। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत उसी शैक्षणिक वर्ष के छात्रवृत्ती/शिक्षा प्रोत्साहन राशि के लाभ हेतु अपात्र होंगे।

अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद पर की सुरक्षा समीक्षा, 31 मार्च की डेडलाइन पर फोकस

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान अमित शाह ने 31 मार्च की डेडलाइन को लेकर विस्तृत चर्चा की। देश में वामपंथी उग्रवाद यानी नक्सल समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

समीक्षा बैठक में बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल , भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड और तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार की सुरक्षा केन्द्रित रणनीति , इंफ्रास्ट्रक्चर, नक्सल फाइनेंशियल नेटवर्क पर प्रहार व आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी 31 मार्च से पहले नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ कभी नक्सली हिंसा का गढ़ था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार में यह अब विकास का पर्याय बन चुका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा खेल, फॉरेंसिक और तकनीकी शिक्षा को गति देते हुए अपनी संस्कृति व परंपराओं को भी सहेज रहे हैं।

अमित शाह ने कहा कि डबल इंजन सरकार देश से माओवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में नक्सलवाद अंत के कगार पर पहुँच चुका है और 31 मार्च 2026 से पहले देश पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि कई पीढ़ियों को गरीबी और अशिक्षा के अंधकार में धकेलने वाले नक्सलवाद से देश जल्द ही निजात पाने वाला है।

श्री शाह ने कहा कि माओवादियों के खिलाफ चल रही लड़ाई बिखरी हुई नहीं होनी चाहिए। विभिन्न राज्यों और केन्द्रीय एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शेष बचे माओवादियों को अन्य राज्यों में भागने नहीं दिया जाना चाहिए।केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विकास के समान अवसर प्राप्त हों।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रायपुर में छत्तीसगढ़ सरकार व अधिकारियों के साथ नक्सलविरोधी अभियानों पर समीक्षा बैठक की। सिक्योरिटी सेंट्रिक स्ट्रेटजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, नक्सल फाइनेंशियल नेटवर्क पर प्रहार व आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं और इस 31 मार्च से पहले नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो रहा है।

बता दें केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ सहित नक्सल प्रभावित सभी राज्यों के लिए 31 मार्च 2026 की डेड लाइन तय की है। हाल ही हुए एनकाउंटर में बड़े नक्सली लीडरों के साथ कई नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है। इसके अलावा नक्सल कैडर के बड़े लीडर्स सहित सैकड़ों नक्सली सरेंडर कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। पीएम मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री तय की गई 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन अब नजदीक आ चुकी है। ऐसे समय में अमित शाह का दौरा अहम है।

नवोत्थान और विकसित भारत 2047 के विजन का सशक्त दस्तावेज है केन्द्रीय बजट : मनोहर लाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने केन्द्रीय बजट को नवोत्थान और समावेशी विकास का वाहक बताते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत-2047 के दीर्घकालिक विजन को साकार करने वाला एक सशक्त दस्तावेज है। वे राजधानी रायपुर में एक दिवसीय प्रवास के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री लाल ने कहा कि इस बजट में अगले 25 वर्षों के लिए देश के आर्थिक, सामाजिक एवं बुनियादी ढांचे के विकास की स्पष्ट दिशा निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि यह बजट पहली बार कर्तव्य भवन में तैयार किया गया है, जो शासन व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। बजट में 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी सम्मिलित किया गया है, जिससे आगामी वर्षों में राज्यों के विकास को नई गति मिलेगी। मनोहर लाल ने विश्वास जताया कि बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन से बिजली, आवास, शहरी विकास एवं अधोसंरचना क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति होगी। केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। प्रेस वार्ता में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद संतोष पाण्डेय एवं बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पीएम श्रम-योगी मानधन व एनपीएस योजना से होगा श्रमिकों को लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 'प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना' असंगठित श्रमिकों के लिए लागू की गई है। योजना के तहत हितग्राहियों के पंजीयन हेतु दो चरणों में विशेष पंजीयन शिविर प्रथम चरण दिनांक 15 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक शहरी क्षेत्रों एवं द्वितीय चरण 16 फरवरी से 15 मार्च, 2026 तक ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, बचत बैंक खाता/जन धन खाता (आईएफएससी कोड के साथ) सहित नजदीकी च्वाईस सेंटर में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना हेतु पंजीयन करा सकते है।

इस योजना में फेरी लगाने वाले (स्ट्रीट वेंडर), कचरा बिनने वाले, हमाल, रिक्शा चालक, आंगनबाडी कार्यकता, सहायिका, मितानिन, वनोपज में लगे श्रमिक, भूमिहीन श्रमिक, कृषि श्रमिक, मध्यान्ह भोजन रसोईया, चमड़ा उद्योग, हाथकरघा उद्योग, मनरेगा, बीड़ी उद्योग में कार्यरत श्रमिकों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 10 फरवरी को होगा सामूहिक विवाह

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजने अंतर्गत 10 फरवरी 2026 मंगलवार को भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में हजारों नवदंपत्ति वैवाहिक बंधन में बंधेंगे। राज्य के सभी जिलों में एक ही समयावधि में वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के राजिम स्थित नवीन मेला स्थल पर भी सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा।इस समारोह में अतिथि के रूप में राजिम विधायक रोहित साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनकराम ध्रुव, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा, राजिम के पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, गरियाबंद जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका राजिम अध्यक्ष महेश यादव, जनपद पंचायत फिंगेश्वर अध्यक्ष श्रीमती इन्द्राणी साहू, जनपद पंचायत छुरा अध्यक्ष श्रीमती मीरा ठाकुर, जनपद पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, भाजपा गरियाबंद जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर तथा ग्राम पंचायत चौबेबंधा सरपंच दुलचंद आण्डे के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों मौजूद रहेंगे।

माशिमं ने 10वीं-12वीं बोर्ड का परीक्षा शुल्क बढ़ाया

श्रीकंचनपथ समाचार

पांच साल बाद 460 से बढ़ाकर 800 किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने करीब पांच साल बाद 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है।

यह बढ़ा हुआ शुल्क शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगा। नए प्रावधान के तहत नियमित परीक्षार्थियों को अब बोर्ड परीक्षा, अंकसूची और प्रति विषय प्रैक्टिकल शुल्क मिलाकर 800 रुपए चुकाने होंगे।

जबकि पहले इसके लिए 460 रुपए देने पड़ते थे।

आवेदन शुल्क भी बढ़ा: बोर्ड परीक्षा के आवेदन फॉर्म के शुल्क में भी 70 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां आवेदन शुल्क 80 रुपए था, अब इसे बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया गया है। हालांकि, प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति के शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके लिए पहले की तरह 80 रुपए ही देने होंगे।

कार्यपालिका समिति की बैठक में लिया गया फैसला: 10वीं और 12वीं परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी का निर्णय माशिमं की कार्यपालिका समिति की बैठक में लिया गया। समिति ने करीब 22 मदों के शुल्क बढ़ाने को मंजूरी दी है। इनमें नामांकन शुल्क, अतिरिक्त विषय, एक विषय या दो विषय, स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन एवं अनुमति शुल्क सहित अन्य मद शामिल हैं।

स्वाध्यायी छात्रों पर भी पड़ेगा असर: प्रदेश के स्वाध्यायी एससी/एसटी छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क में भी लगभग डेढ़ गुना वृद्धि की गई है। पहले जहां इसके लिए 560 रुपए देने होते थे, अब 800 रुपए चुकाने होंगे। नए छात्रों और राज्य से बाहर के छात्रों के पंजीयन एवं अनुमति शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई है। पहले यह शुल्क 1,540 रुपए था, जिसे अब बढ़ाकर 2,000 रुपए कर दिया गया है।

विषयवार परीक्षा शुल्क में इजाफा: गौरतलब है कि माशिमं ने इससे पहले वर्ष 2021 में बोर्ड परीक्षा और उससे जुड़े विभिन्न शुल्कों में वृद्धि की थी। पांच साल बाद एक बार फिर परीक्षा शुल्क बढ़ने से छात्रों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की संभावना है।

आयुर्वेद औषधालय बोरगांव एवं अनंतपुर आयुष केंद्र को मिला 'कायाकल्प आयुष' प्रथम पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव । स्वास्थ्य क्षेत्र में कोंडागांव जिले ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली से राज्य स्तर पर पहचान बनाई है। छत्तीसगढ़ आयुष विभाग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'कायाकल्प आयुष' कार्यक्रम के अंतर्गत कोंडागांव जिले के शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरगांव ने बस्तर संभाग में लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है।

अनंतपुर आयुष केंद्र ने भी अपनी विशिष्ट सेवाओं के लिए संभाग स्तरीय सम्मान अर्जित कर जिले को दोहरी उपलब्धि दिलाई है।राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत संचालित इस पहल में बोरगांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का मूल्यांकन स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, भवन संधारण, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन एवं सौंदर्याकरण जैसे कड़े मापदंडों के आधार पर किया गया। केंद्र ने सात प्रमुख श्रेणियों आयुष स्वास्थ्य केंद्र संधारण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, सेवा गुणवत्ता समीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र अपने नाम किया।प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित कायाकल्प आयुष योजना का उद्देश्य आयुष अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को संस्थागत रूप देना है, ताकि रोगियों को सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।4 फरवरी को राजधानी रायपुर में आयोजित कायाकल्प आयुष पुरस्कार वितरण समारोह में मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग श्याम बिहारी जायसवाल, संचालक आयुष संतन देवी जांगड़े एवं सचिव अमित कटारिया द्वारा प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो तथा 75 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर इन आयुष केंद्रों को जनस्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया।इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि यह पुरस्कार केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि आयुष चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत, अनुशासन और प्रतिबद्धता का परिणाम है। स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण ही सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों की आधारशिला है। बोरगांव एवं अनंतपुर आयुष केंद्रों की इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के अधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। यह सम्मान न केवल अन्य आयुष केंद्रों को स्वच्छता एवं गुणवत्ता की दिशा में प्रेरित करेगा, बल्कि जिले के नागरिकों को और अधिक सुदृढ़ तथा भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में भी सहायक सिद्ध होगा।

टाटीबंध में बना प्रदेश का सबसे आधुनिक महतारी सदन सह आंगनबाड़ी

85 लाख की लागत से तैयार 4500 वर्गफुट का अत्याधुनिक केंद्र, बच्चों के लिए शिक्षा और माताओं के लिए सम्मानजनक सुविधाएँ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास अब केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि मानवीय संवेदना और भविष्य निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विधायक राजेश मूणत की पहल पर शहीद भगत सिंह वार्ड, टाटीबंध में प्रदेश का सर्वसुविधायुक्त 'महतारी सदन सह आंगनबाड़ी केंद्र' पूर्ण रूप से तैयार हो गया है।

लगभग 85 लाख रुपये की लागत से निर्मित और 4500 वर्गफुट में फैला यह केंद्र छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ी व्यवस्था में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

यह भवन पोषण, शिक्षा और संस्कार का संगम बनकर माताओं एवं नौनिहालों को सुरक्षित, स्वच्छ और प्रेरक वातावरण उपलब्ध कराएगा।

कॉर्पोरेट स्तर की सुविधाएँ: इस अत्याधुनिक महतारी सदन में पृथक प्ले-एरिया, डिजिटल लर्निंग के अनुकूल कक्षाएँ, स्वच्छ किचन, डाइनिंग एरिया, स्टोर रूम एवं प्रशासनिक कार्यालय की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही महिला, पुरुष एवं दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग वाशरूम, आकर्षक पेवर ब्लॉक और सुरक्षित बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया है।

'लर्निंग विद फन' की अवधारणा: बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए यहाँ फिसलपट्टी, झूला, बास्केटबॉल, शतरंज, कैरम, सांप-सीढ़ी एवं अन्य खेलों की व्यवस्था की गई है। यह केंद्र अब केवल आंगनबाड़ी नहीं, बल्कि बच्चों के लिए एक 'ग्रोथ सेंटर' के रूप में कार्य करेगा।

रायपुर पश्चिम में ऐसे चार आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र शीघ्र ही लोकार्पण के लिए तैयार हैं। इसी क्रम में विधायक राजेश मूणत कल प्रात: डीडी नगर में 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन उद्यान का भूमिपूजन करेंगे, जो क्षेत्रवासियों के लिए हरित और स्वस्थ वातावरण का केंद्र बनेगा।

विकास की योजनाबद्ध सोच: विधायक राजेश मूणत नियमित रूप से बैठक कर क्षेत्र के विकास का रोडमैप तैयार करते हैं। इसी सुनियोजित कार्यप्रणाली के कारण रायपुर पश्चिम में विकास कार्य समयबद्ध और प्रभावी ढंग से धरातल पर उतर रहे हैं। यह महतारी सदन न केवल एक भवन है, बल्कि सरकारी व्यवस्था पर जनता के विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

सजग कोरबा-सतर्क कोरबा अभियान के तहत सख्त रात्रि चेकिंग

कोरबा। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने सजग कोरबा-सतर्क कोरबा अभियान के तहत 7-8 फरवरी की दरमियानी रात विशेष रात्रि चेकिंग एवं कांबिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर पूरे जिले में यह कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान गुंडा व निगरानी बदमाशों की सघन जांच की गई। पूर्व से आदतन अपराधी पाए गए 12 लोगों पर धारा 129 बीएनएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, जबकि संदिग्ध अवस्था में घूम रहे 3 व्यक्तियों पर धारा 128 बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई हुई। वहीं, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2 चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई।

क्या अल्लू अर्जुन के साथ नेगेटिव रोल में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

अल्लू अर्जुन निर्देशक एटली के साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी होंगी। खबर है कि इसमें रश्मिका मंदाना नेगेटिव रोल में होंगी।

अल्लू अर्जुन और एटली एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी एलान नहीं किया गया है। इसके बावजूद फिल्म ने काफी चर्चा बटोर ली है। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस प्रोजेक्ट में पहली बार एक पावरफुल स्टार और एक ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर साथ काम कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म आने वाले वक्त में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी।

कैसा होगा रश्मिका का किरदार?

लेट्स ओटीटी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। बताया जाता है कि रश्मिका मंदाना एक डार्क अ ै र चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी।

फिल्म में रश्मिका का किरदार उन खुशमिजाज किरदारों से बहुत अलग है, जो वह आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने पर्सनली इस रोल के लिए उनका नाम सजेस्ट किया था। फैंस को लगता है कि यह किरदार रश्मिका का बिल्कुल नया साइड सामने लाएगा।

फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड फीमेल रोल में हैं। दो मजबूत एक्ट्रेस के अहम रोल निभाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कई फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि फिल्म में उनके किरदार कैसे होंगे।

कितनी शूट हुई फिल्म?

खबर है कि रश्मिका ने इस हफ्ते अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फरवरी भर काम करती रहेंगी। इस महीने के आखिर में वह अपनी शादी के लिए छोटा ब्रेक ले सकती हैं। फिल्म का प्रोडक्शन आसानी से चल रहा है। करीब 25 से 30 प्रतिशत शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

मेरे करियर में मेरा धर्म कभी बाधा नहीं बना : जोया अफरोज

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है।अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म गांधी टॉक्स की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है।

स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने उन्होंने ए. आर. रहमान के कम्युनल वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा।

हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए। जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए।

इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए। गांधी टॉक्स की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है।

उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है। किशोर बेलेकर द्वारा निर्देशित फिल्म में अदिति राव हैदरी, विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'हमें कभी पांच फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता'

अदिति राव हैदरी ने बताई बॉलीवुड से दूरी की वजह

एक मूक फिल्म में अभिनय करना कितना मुश्किल होता है?

एक्टर होने के नाते हर फिल्म अपने आप में चुनौती होती है पर मूक फिल्म की चुनौतियां थोड़ी अलग ही होती हैं। इसमें संवाद ही नहीं होते। सब कुछ आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपकी आखों और भीतर क्या महसूस हो रहा है उस पर निर्भर करता है। बिन कुछ कहे अपनी भावनाएं दिखाने की यह प्रक्रिया मुझे बहुत पसंद है।

आज का दर्शक प्रयोगात्मक फिल्में देखता है? या फिर जज करते हुए आगे बढ़ जाता है?

यह सच है कि मूक फिल्म कई लोगों के लिए नई चीज है, इसलिए इसकी पेस थोड़ी धीमी है। दुर्भाग्य से, हम फिल्मों को थिएटर में बढ़ने ही नहीं देते क्योंकि हम शुक्रवार के अंत तक ही फिल्म की किस्मत का फैसला कर देते हैं। सच तो यह है कि ऐसी फिल्मों को समय चाहिए। इन्हें ध्यान देकर महसूस करना पड़ता है।

बात बस इतनी सी है कि अगर मुझे अच्छा काम मिलेगा तो ही मैं हिंदी फिल्में करूंगी। सच्चाई यह है कि हम जैसे लोग जो बाहर से बॉलीवुड में आते हैं, हमें हर फिल्म के साथ बॉलीवुड में खुद को साबित करना पड़ता है और मैं यह बिना किसी शिकायत या नकारात्मकता के कह रही हूं। ऐसा कभी नहीं होता कि हमने पांच पिल्मों के कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए हों। हमें हर नई फिल्म में खुद को फिर से प्रूव करना पड़ता है। मैं 2011 से काम कर रही हूं और मेरा मानना है कि टैलेंट अपना रास्ता खुद बना लेता है। बाकी मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे देश के कई शानदार निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।

गांधी टॉक्स के लिए हामी भरने की सबसे बड़ी वजह

मेरा हमेशा से सपना रहा कि मैं किसी मूक फिल्म में काम करूं। जब गांधी टॉक्स मेरे पास आई, तो मैं सच में बेहद खुश हुई। फिल्म की टीम ने इसे और भी दिलचस्प बना दिया। जिस तरह किशोर (निर्देशक) ने इसका ढांचा बनाया, रहमान ने शानदार संगीत दिया और विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी व सिद्धार्थ जाधव जैसे बेहतरीन कलाकार मिले। सबने मिलकर इस फिल्म को खास बना दिया। इसके अलावा मेरे किरदार को लेकर किशोर ने साफकहा था कि यह सिर्फ एक लव इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि कहानी का भावनात्मक हिस्सा भी है।

'रामायण' में रिप्लेस किए जाने पर विक्रांत मैसी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगाार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। हाल ही में विक्रांत को इस फिल्म से रिप्लेस किए जाने की खबर सामने आई। इस पर एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है।

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। इसे बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। इस बीच यह भी चर्चा चल रही थी कि विक्रांत को मूवी में मेघनाद के किरदार के लिए अप्रोच किया गया है। लेकिन शुक्रवार को खबर ट्रेंड करने लगी कि उनकी जगह फिल्म में दूसरे एक्टर को लिया गया है।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक राघव जुयाल फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। राघव जुयाल इस फिल्म में मेघनाद का किरदार निभा सकते हैं। उनका किरदार 'रामायण पार्ट टू' में नजर आएगा, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। पहले इस किरदार को विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, ऐसी खबरें सामने आई थीं। लेकिन किन्हीं कारणों से वह फिल्म से दूर हो गए। इस पूरी स्थिति को लेकर विक्रांत मैसी ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया।

फिल्म 'रामायण' को लेकर क्या बोले विक्रांत?

अपने इंस्टाग्राम पेज पर विक्रांत मैसी ने एक स्टोरी पोस्ट, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया। इसमें उन्होंने लिखा था, 'मैं इन खबरों पर विराम लगाता हूं। मैं कभी भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं था।' उन्होंने आगे फिल्म को लेकर लिखा, 'बहरहाल, रामायण फिल्म की पूरी कास्ट को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं जरूर टिकट खरीदकर ये मूवी देखने जाऊंगा।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'रामायण'?

फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, साउथ एक्टर यश, सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आंएगे। फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट इस दिवाली (2026) में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं इस फिल्म का दूसरा भाग 2027 दिवाली पर रिलीज होगा।

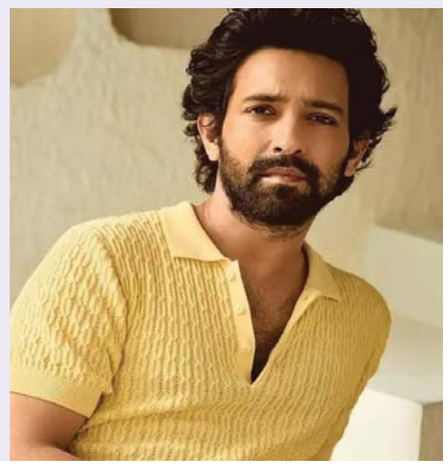

अच्छी तस्वीरें खींचना चाहते हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

अच्छी तस्वीरें खींचना एक कला है। इसके लिए सिर्फ महंगे कैमरा या मोबाइल फोन का होना जरूरी नहीं है, बल्कि सही तरीके और नजरिया भी अहम होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी सुझाव देंगे, जिनसे आप अपनी तस्वीरों को और भी बेहतर बना सकते हैं। सही रोशनी, फ्रेमिंग, और कैमरा सेटिंग्स के साथ-साथ अभ्यास भी जरूरी है। इन सुझावों को अपनाकर आप अपनी फोटोग्राफी कौशल को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

प्राकृतिक रोशनी का करें उपयोग

अधिकतर फोटोग्राफर मानते हैं कि प्राकृतिक रोशनी सबसे अच्छी होती है। सुबह और शाम की धूप में तस्वीरें खींचना सबसे अच्छा होता है क्योंकि इससे तस्वीरों में एक खास निखार आता है। दिन के समय की तेज रोशनी से बचें और कोशिश करें कि आपकी तस्वीरें प्राकृतिक वातावरण में ही खींची जाएं। इससे आपकी तस्वीरों में एक अलग ही चमक आएगी और वे और भी सुंदर दिखेंगी।

सही फ्रेमिंग का ध्यान रखें

तस्वीरों की फ्रेमिंग बहुत अहम होती है। हमेशा ध्यान रखें कि आपका विषय बीच में हो और उसके चारों ओर पर्याप्त जगह हो। इसके अलावा बैकग्राउंड को भी साफ और अनावश्यक वस्तुओं से मुक्त रखें ताकि ध्यान सिर्फ आपके विषय पर ही जाए। अगर आप किसी व्यक्ति की फोटो ले रहे हैं तो उसके आस-पास की चीजें कम से कम हों। इससे आपकी तस्वीरें ज्यादा आकर्षक और पेशेवर दिखेंगी।

कैमरा सेटिंग्स को समझें

अगर आप अपने कैमरे या मोबाइल फोन की सेटिंग्स को अच्छी तरह से समझते हैं तो आप बेहतरीन तस्वीरें ले सकते हैं। आईएसओ, शटर स्पीड, और अपर्चर जैसे शब्द आपको भले ही कठिन लगें, लेकिन इनका सही उपयोग आपकी फोटोग्राफी को नया मोड़ दे सकता है। कोशिश करें कि आप मैनुअल मोड में फोटो खींचें ताकि आपको हर सेटिंग का पूरा ज्ञान हो सके। इससे आप अपनी तस्वीरों को और भी बेहतर बना सकते हैं।

तस्वीरें लेते समय हमेशा अपने विषय पर ध्यान केंद्रित करें। चाहे वह कोई व्यक्ति हो, प्रकृति की सुंदरता हो या कोई वस्तु हो, उसे पूरी तरह से कैद करने की कोशिश करें। अगर आप किसी व्यक्ति की फोटो ले रहे हों तो उसके भाव पर ध्यान दें और प्रकृति की तस्वीरें लेते समय उसके रंगों और आकृतियों पर ध्यान दें। इससे आपकी तस्वीरें और भी आकर्षक और पेशेवर दिखेंगी।

नियमित अभ्यास करें

फोटोग्राफी एक ऐसी कला है, जिसमें नियमित अभ्यास बहुत जरूरी होता है। जितना ज्यादा आप फोटो खींचेंगे, उतना ही बेहतर आप बनेंगे। अलग-अलग परिस्थितियों में फोटो खींचने की कोशिश करें ताकि आपको हर स्थिति का अनुभव हो सके और आप हर परिस्थिति में अच्छा काम कर सकें। इन सरल लेकिन प्रभावी सुझावों को अपनाकर आप अपनी फोटोग्राफी कौशल को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं और अपनी तस्वीरों में नया जीवन ला सकते हैं।

राजिम कुंभ कल्प के सातवें दिन भक्ति और संस्कृति से सराबोर रहा मुख्य मंच

जगराता, शिव-भक्ति, राधा-कृष्ण लीला और लोकगीतों ने बांधा समां

शिवमय हुआ मंच, झांकी बनी आकर्षण

जब संतोष थापा ने हर हर हर हर भोला... और बम बम भोलेनाथ... गीतों की प्रस्तुति दी, तो पूरा मंच शिवमय हो गया। इस अवसर पर मनोज राजपूत द्वारा शिवजी की वेशभूषा में प्रस्तुत की गई आकर्षक झांकी ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद झिलझिल ओ झिलमिल ओ बारे हो दिया तोर नाव के, हे शीतला दाई मोर गांव के... गीत पर दर्शक भी झूमते और गुनगुनाते नजर आए।

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के सातवें दिन मुख्य मंच पर भक्ति, संस्कृति और लोक कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। मनोज राजपूत इंटरटेनमेंट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत संतोष थापा द्वारा प्रस्तुत जगराता से हुई। पहली प्रस्तुति हे गणपति गणराज तेरी जय हो... से वातावरण भक्तिमय हो गया। तोर चरण म कर्मा माता दिन-रात.. गीत के माध्यम से कर्मा माता की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर दर्शक भक्ति में लीन हो गए।

राधा-कृष्ण भक्ति में डूबे दर्शक

कार्यक्रम के दौरान संतोष थापा ने जस गीतों की प्रस्तुति देकर मंच पर तहलका मचा दिया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति में मनोज राजपूत एक बार फिर विशाल हनुमान जी की वेशभूषा में मंच पर आए। बजरंग बली, बजरंग बली, गली-गली में नाम है गीत पर उनके सशक्त नृत्य ने दर्शकों को पुन: भक्तिमय कर दिया।

देवराज मिश्रा ने बांधा समां

मंच पर बेमेतरा से आए कलाकार देवराज मिश्रा ने राजनांदगांव के पाताल भैरवी तोला प्रणाम.., ओम नम: शिवाय.. और मंगल भवन अमंगल हारी... जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की प्रस्तुति दी। इसके बाद बइला म चढ़के आबे, डमरू बजावत आबे.. गीत के माध्यम से शिवजी के सामान्य रूप का दर्शन कराया। छत्तीसगढ़ी गीतों में आजा न गोरी मया के झुलना..., जिंदगी लिख देव तोर नाव रे... और मया होगे रे तोर संग... जैसे गीतों ने दर्शकों को प्रेम रस में बांधे रखा। तोर नथनी के मोती रे... गीत को दर्शकों ने दोबारा सुनने की फरमाइश की।

लोक संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियों ने बढ़ाया उत्साह

अंतिम प्रस्तुति मया के सिंगार नवागांव चंपारण द्वारा दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत गणपति गणराज पहली सुमिरौ... से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़े झमाझम लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। जय जवान जय किसान, मोर छत्तीसगढ़ महतारी तोर महिमा हे बढ़ भारी...., आमा मउर गे... और परसा फूल फर गे... जैसे गीतों ने दर्शकों को फागुन माह की याद दिला दी।

कलाकारों का सम्मान

कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों का सम्मान राजिम विधायक रोहित साहू, सरपंच संघ फिंगेश्वर के अध्यक्ष हरिश साहू एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नेहरू साहू द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन निरंजन साहू एवं मनोज सेन, किशोर निर्मलकर ने किया।

कुंभ कल्प मेला के आठवें दिन राजिम कुंभ कल्प में उमड़ी ऐतिहासिक भीड़, मेले की बढ़ी रौनक

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला की रौनक अपने चरम पर पहुंच गई है। माघ पूर्णिमा 1 फरवरी से प्रारंभ हुए राजिम कुंभ कल्प मेला के आठवें दिन रविवार को त्रिवेणी संगम एवं नवीन मेला मैदान में श्रद्धालुओं और मेलार्थियों का सैलाब उमड़ पड़ा। शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण अन्य दिनों की तुलना में भीड़ कहीं अधिक रही, जिसकी झलक शनिवार से ही देखने को मिली।

देश-प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान कर भगवान श्रीराजीवलोचन एवं पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन किए। इस दौरान संगम तट से लेकर मेला क्षेत्र तक श्रद्धा, आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कुंभ कल्प मेला क्षेत्र में त्रिवेणी संगम स्नान, मंदिर दर्शन, लक्ष्मण झूला, मीना बाजार, सांस्कृतिक मंच, मुख्य महोत्सव मंच, संभागीय सरस मेला, चारधाम यात्रा, राम वनगमन पथ, शासकीय स्टॉल, साधु-संतों की कुटिया, यज्ञशाला एवं भोग-भंडारा श्रद्धालुओं के प्रमुख आकर्षण बने रहे। दिनभर हजारों की संख्या में श्रद्धालु मेला क्षेत्र में घूमते नजर आए और जमकर खरीदारी भी की। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पूरे मेला क्षेत्र में एक हजार से अधिक पुलिस बल तैनात किए गए हैं। त्रिवेणी संगम से लेकर नवीन मेला मैदान चौबेबंधा राजिम तक फैले मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर परिसर में भी सीसीटीवी की विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है। नवीन मेला मैदान में इस बार दो स्पेशल मीना बाजार लगाए गए हैं, जो मेलार्थियों के लिए विशेष आकर्षण बने हुए हैं। लगभग 8 एकड़ में फैले मीना बाजारों में आकर्षक झूले, क्राफ्ट बाजार, मौत का कुआं, जलपरी शो, जंगल के जानवरों की प्रदर्शनी एवं वैष्णोदेवी झांकी लोगों को खासा लुभा रही है।

संभागीय सरस मेला में बिहान समूह की दीदियों द्वारा शुद्ध एवं ताजा सामग्री का विक्रय किया जा रहा है। जिले के महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। बिहान दीदियों का कहना है कि यह योजना उनके लिए वरदान साबित हो रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रही है।

महानदी की महाआरती से सजा संगम तट

त्रिवेणी संगम में प्रतिदिन भव्य महानदी महाआरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसे गंगा आरती के नाम से भी जाना जाता है। साध्वी प्रज्ञा दीदी के मुखारविंद से प्रतिदिन शाम 7 बजे महाआरती संपन्न हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आरती में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं, जिससे मेला क्षेत्र में धार्मिक वातावरण और अधिक प्रबल हो गया है।

तीन मंचों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

राजिम कुंभ कल्प मेला में इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए तीन अलग-अलग मंच बनाए गए हैं। मुख्य मंच पर देश के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं, वहीं नवीन मेला क्षेत्र के स्थानीय मंच और पुराने महोत्सव स्थल नदी मंच पर प्रदेश के कलाकार छत्तीसगढ़ की लोककला, लोकगीत, लोकसंगीत और लोकनृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं।

शासकीय योजनाओं की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

राजिम कुंभ कल्प मेला तीन जिलों की सीमा क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। लोमस ऋषि आश्रम के समीप कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर क्षेत्र में धमतरी जिला प्रशासन द्वारा शासकीय स्टॉल लगाए गए हैं, जहां राज्य शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी जा रही है। इसी तरह रायपुर एवं गरियाबंद जिलों द्वारा भी विभिन्न विभागीय प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

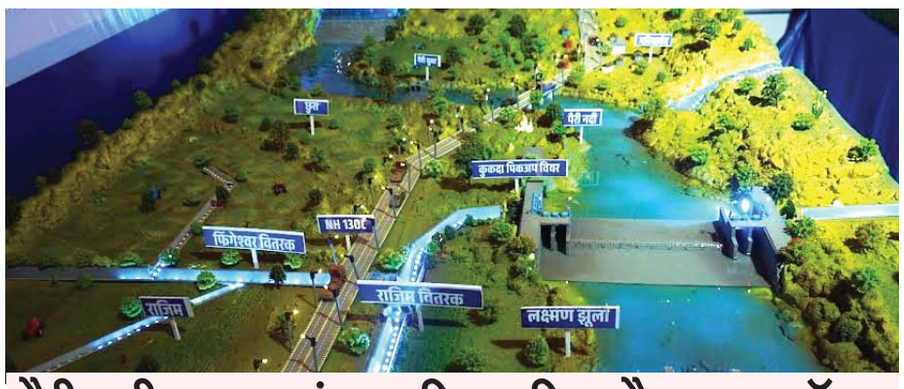

पैरी नदी उद्गम एवं प्रस्तावित राजिम बैराज का मॉडल बना आकर्षण का केंद्र, लोग ले रहे जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में जल संसाधन विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। खासकर पैरी नदी उद्गम एवं प्रस्तावित राजिम बैराज का कार्यशील मॉडल एकाएक लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। स्टॉल पर दिनभर दर्शनार्थियों की काफी भीड़ देखने को मिली।

जल संसाधन विभाग के स्टॉल में पैरी नदी के उद्गम स्थल भाटीगढ़ को मॉडल के माध्यम से दर्शाया गया है। यहां बताया गया कि भाटीगढ़ से निकलने वाली पैरी नदी का पानी सिकासेर बांध में पहुंचता है, वहां से आगे कुकदा डेम होते हुए अंतत: राजिम तक प्रवाहित होता है। स्टॉल में उपस्थित टाइमकीपर सिद्धार्थ कुमार देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि पैरी नदी का जल गरियाबंद, छुरा एवं राजिम क्षेत्र में सिंचाई के साथ-साथ पेयजल एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

स्टॉल में प्रस्तावित राजिम बैराज का मॉडल भी रखा गया है, जिसकी अनुमानित लागत 95 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार इस बैराज की कुल लंबाई लगभग 500 मीटर एवं ऊंचाई 5 मीटर प्रस्तावित है। बैराज के निर्माण से राजिम एवं नवापारा क्षेत्र में जल संकट समाप्त होगा तथा सालभर जलभराव बना रहेगा। इसके साथ ही नौकाविहार, वाटर स्पोर्ट्स और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

जल संसाधन विभाग गरियाबंद द्वारा प्रस्तुत कार्यशील मॉडल में राजिम बैराज के साथ-साथ राजीव लोचन मंदिर, लक्ष्मण झूला, गंगा आरती घाट, राजिम मेला स्थल, पैरी नदी, कालेश्वर नाथ मंदिर, नवागांव एनीकट, लोमष ऋषि आश्रम को भी दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त पैरी नदी सिंचाई परियोजना, सिकासेर जलाशय तथा पैरी-घुमर व्यपवर्तन परियोजना सहित गरियाबंद जिले की विभिन्न सिंचाई योजनाओं के मॉडल भी प्रदर्शित किए गए हैं।

कुंभ कल्प मेला में जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉल लोगों के लिए जानकारी का केंद्र बन गए हैं। हितग्राही यहीं पर योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

शहर से नवीन मेला मैदान तक निःशुल्क बस सेवा

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गरियाबंद जिले के परिवहन विभाग द्वारा राजिम शहर के बस स्टैण्ड से नवीन मेला मैदान राजिम चौबेबांधा तक पहुंचाने के लिए दो यात्री बसों की व्यवस्था की गई है। यह बस सेवा पूरी तरह निशुल्क है और दिनभर कई चक्कर लगाकर श्रद्धालुओं को लाने-ले जाने का कार्य कर रही है।

इनमें से एक बस राजिम बस स्टैंड पर खड़ी रहती है, जबकि दूसरी बस नवीन मेला मैदान में तैनात की गई है। दोनों बसें यात्रियों को मेला मैदान तक पहुंचाने के

साथ-साथ वापसी के लिए भी प्रतीक्षा करती हैं, जिससे किसी को असुविधा न हो।

उल्लेखनीय है कि राजिम बस स्टैंड से नवीन मेला मैदान की सड़क मार्ग दूरी लगभग 3 किलोमीटर है। निजी वाहन रखने वाले श्रद्धालु तो आसानी से आवागमन कर पा रहे हैं, लेकिन पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने यह बस सुविधा उपलब्ध कराई है।श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बसों में पुलिस बल की तैनाती भी की गई है, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या समस्या न हो। बसों की पहचान के लिए उनके सामने विशेष बैनर भी लगाए गए हैं।

इस सेवा का लाभ ले रहीं रामती बाई, सीता साहू, भूखिया, चांदनी एवं केसर ने बताया कि वे किसी तरह राजिम बस स्टैंड तक तो पहुंच गई थीं, लेकिन मेला मैदान तक पहुंचने को लेकर चिंतित थीं।

जानकारी मिलने पर उन्हें निशुल्क बस सेवा तक पहुंचाया गया, जिससे वे सुरक्षित रूप से मेला मैदान पहुंच सकीं।

राजिम कुंभ कल्प के मंच पर सजी लोक संस्कृति, स्थानीय कलाकारों ने मोहा मन

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प में स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्य मंच के अलावा दो सहायक मंच बनाया गया है। जिसमें प्रतिदिन स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है, जिसे दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

पुराने महोत्सव स्थल स्थित नदी मंच पर केजूराम साहू लफंदी द्वारा मानस गान की प्रस्तुति दी गई। रघुपति राघव राजा राम.. भजन की मधुर प्रस्तुति ने दर्शकों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। इसके पश्चात हेमंत साहू रावड़ ने मां के जसगीत की प्रस्तुत दी। गौकरण वर्मा (देउरगांव, साजा) ने जसगीत, धरमीन साहू (पंडरीपानी, छुरा) द्वारा रामायण की प्रस्तुति दी गई। सावन ध्रुव (झितरीढूमर) ने धार्मिक गीतों से वातावरण

को भक्तिमय बना दिया।

धनेश्वरी जैन (नर्मदा, नरहरपुर) ने पंडवानी के माध्यम से कृष्ण-अर्जुन संवाद को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। तेजराम बांधे (रोहिणा) द्वारा प्रस्तुत पंथी नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भावेश (उमरदा) ने सुवा गीत तरी हरी नाना सहित अन्य गीतों की प्रस्तुति देकर नदी मंच के दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

मुख्य मंच के समीप बने दूसरे स्थानीय मंच पर आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति में नवलू राम नेताम (गरियाबंद) ने पारंपरिक वेशभूषा में शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। मिलाप बंजारे (कौंदकेरा) ने सतनाम भजन प्रस्तुत करते हुए गुरु घासीदास बाबा का स्मरण किया। पुरुषोत्तम यादव ने राउतनाचा के माध्यम से दोहों द्वारा सामाजिक संदेश दिए। गिरधर ध्रुव (कुसुमबुड़ा) के लोककला मंच ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जगराता में ऐश कुमार साहू की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को पुन: मोहित किया। रोशन लाल सेन (तुलसी, बेमेतरा) ने पारंपरिक गीतों के माध्यम से संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया। कार्यक्रम के समापन पर लोकेश साहू द्वारा जगराता की प्रस्तुति दी गई। कलाकारों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनीक अधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज सेन एवं निरंजन साहू, किशोर निर्मलकर ने किया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

3 कोयला ट्रेलरों में लगी आग 1 ड्राइवर जिंदा जला

जांजगीर-चांपा। अकलतरा थाना क्षेत्र के कोटगढ़ गांव में एक सड़क हादसे में कोयला से भरे तीन ट्रेलरों में आग लग गई। इस घटना में एक ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अकलतरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, एक ट्रेलर अकलतरा से बलौदा की ओर जा रहा था। रॉन्ग साइड से आ रहे दूसरे ट्रेलर से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तीसरे ट्रेलर ने भी उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के तुरंत बाद तीनों ट्रेलरों में आग लग गई। आग लगने के बाद एक ट्रेलर में फंसा एक ड्राइवर बाहर नहीं निकल पाया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य घायल ड्राइवरो को तत्काल अकलतरा अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही और यातायात को नियंत्रित किया गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मवेशी तस्करी करते रंगे हाथ 3 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ लैलूंगा पुलिस ने गौवंशों की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ये तस्कर कुंजारा से पैदल गौवंशों को मारते-पीटते हुए ओडिशा की ओर ले जा रहे थे। मुखबिर से मिली सूचना के बाद लैलूंगा पुलिस ने अटल चौक के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुख्य मार्ग पर तीन व्यक्तियों को 8 गौवंशों को क्रूरतापूर्वक हांकते हुए पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम मायाराम नागवंशी (45), सोहन यादव (47) और विद्याधर नागवंशी (36) निवासी थाना बागबहार जिला जशपुर बताया। पुलिस ने गोवंश तस्करी से संबंधित वैध दस्तावेज पेश करने का नोटिस दिया, लेकिन आरोपी कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके।

कोरबा में खड़ी बाइक में लगी आग

कोरबा। कोरबा जिले के सर्वमंगला चौकी क्षेत्र के ग्राम पड़निया में रविवार शाम एक खड़ी बाइक में आग लग गई। इस घटना के दौरान बाइक का चालक मनीराम यादव, जो शराब के नशे में था, वाहन के पास ही सो रहा था। मनीराम यादव सर्वमंगला की ओर से अपने गृह ग्राम पड़निया जा रहा था। नशे की वजह से उसने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी और वहीं सो गया। इसी दौरान उसकी बाइक में आग लग गई। आग लगने के बाद पेट्रोल टंकी फटने से अफरा-तफरी मच गई। कुछ राहगीरों की नजर जलती हुई बाइक और उसके पास सो रहे चालक पर पड़ी। उन्होंने तुरंत मनीराम यादव को जलती बाइक से दूर हटाया। कुछ ही देर में बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

शातिर चोर गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे, पांच थाना क्षेत्रों में की थी लाखों की चोरी, 6 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में चोरी करने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना पाटन, थाना उतई, थाना अमलेश्वर, थाना नंदनी एवं थाना रानीतराई में सूने घरों में लाखों की चोरी के मामले में पुलिस ने इन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी गये सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रकम 12,800 रूपये कुल जुमला 6,15820 रुपए एवं घटना में प्रयुक्त 03 दोहिया वाहन जब्त किया गया है। एसीसीयु टीम, थाना पाटन, थाना उतई, थाना अमलेश्वर, थाना नंदनी एवं थाना रानीतराई की टीमों ने संयुक्त कार्रवाई की है।

दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रहे चोरी के अपराधों की रोकथाम रोकने एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) जिला दुर्ग मणीशंकर चन्द्रा तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय पाटन अनुप लकड़ा के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी पाटन निरीक्षक राजेश मिश्रा के कुशल नेतृत्व में एसीसीयू दुर्ग एवं थाना स्टाफ की संयुक्त टीम गठित कर संदिग्धों पर निगाह रखते हुये टीम को कार्यवाही हेतु लगाया गया था।

टीम द्वारा संदेहियों पर सतत् निगाह रखी जा रही थी, इसी दौरान 8 फरवरी 2026 को सीसीटीवी कैमरों एवं मोबाईल लोकेशन के आधार पर मठ पुरैना रायपुर से मनीष अमोरिया पिता विजय अमोरिया उम्र 25 वर्ष, जितेन्द्र गायकवाड़ पिता मानिकचंद गायकवाड़ उम्र 23 वर्ष एवं रवि साहू पिता रिखी राम उम्र 23 वर्ष साकिनान ग्राम लखौली थाना सिटी कोतवाली जिला राजनांदगांव को घेरा बंदी कर पकड़कर पूछताछ की गई।

पूछताछ में बताया कि मठ पुरैना रायपुर में ईडली डोसा बेचने का काम करना एवं 1 सितंबर 2025 को मनीष अपने भांजे के पल्सर क्रमांक सीजी 8 बीए 3345 से तीनों ग्राम अछोटी थाना नंदनी गए जहां से सुने मकान में चोरी कर चांदी का सामान चोरी किये। उसके बाद दिसम्बर 2025 में ग्राम औसर थाना रानीतराई के सुने मकान में सोने के गुलबंद, चांदी के बिछिया तथा पायल व नगदी 25,000 रूपये तथा उसी माह में मनीष अपने एक्टीवा वाहन क्रमांक सीजी 07 एवाय 3107 में जितेन्द्र व रवि के साथ थाना उतई क्षेत्र ग्राम गोडपेण्ड्री स्थित सुने मकान से सोने के दो नग लॉकेट एवं सोने का गेहूं दाना एवं चांदी के पायल व नगदी 3,000 रुपए चोरी किए।

इसी प्रकार बाद 25.12.2025 को मनीष अपने वाहन केटीएम क्रमांक सीजी 08 एए 3923 से तीनों थाना अमलेश्वर क्षेत्र ग्राम झीट के सुने मकान से एक सोने का लॉकेट व चांदी का पायल तथा नगदी 2,300 रुपए चोरी किये उसके बाद उसी वाहन से ग्राम चंगोरी के सुने मकान से सोने के अंगुठी व चांदी का पायल तथा नगदी रकम 5,000 रुपए चोरी किये उसके बाद पाटन क्षेत्र ग्राम अरसनारा के सोने का लॉकेट व गेहू दाना तथा नगदी रकम 12,000 रुपए चोरी करने बाद उसी दिन थाना पाटन क्षेत्र के ग्राम तर्रा तालाब के किनारे स्थित सुने मकान अंदर घूसकर चांदी के पायल व नगदी 70,000 रुपए को चोरी किये उसके बाद जनवरी माह 2026 में थाना पाटन क्षेत्र ग्राम बठेना के रोड किनारे तीनों सुने मकान में जाकर सोने का टाप्स एवं नगदी 19,000 रुपए को चोरी किए।

चोरी के सामान को धर्मेन्द्र साहू पिता हृदय राम साहू उम्र 33 वर्ष, उमेश उर्फ पिंटू सोनी पिता शेखर सोनी उम्र 35 वर्ष निवासी बैगा पारा लखौली थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव (छ.ग.) तथा प्रकाश सोनी पिता टोमन लाल सोनी उम्र 38 वर्ष साकिन कोसा राव पारा बिजली आफिस के पास मानपुर (प्रकाश ज्वेलर्स) के पास 2,10,000 रुपए में बेचना बताया। इसके बाद नगदी रकम को आपस में 70-70 हजार रुपए आपस में बांट लिये तथा चोरी के समय मिले नगदी रकम को खाने पीने में खर्च कर दिये। रानीतराई क्षेत्र ग्राम औसर से किये गये चोरी की सोने के गुलबंद, चांदी के बिछिया तथा पायल को नागपुर बेचना बताया जिसकी बरामदगी बची है।

इंस्टाग्राम में फंसाकर शादीशुदा महिला को किया ब्लैकमेलिंग, सुसाइड के बाद प्रेमी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। ब्लैकमेलिंग से त्रस्त होकर दो बच्चों की मां के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर प्रेमी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सकरी थाना क्षेत्र के लाखासार निवासी राधेश्याम यादव ने बताया, 12 साल पहले उन्होंने गांव के रंजिता यादव से प्रेम विवाह किया था, उनके दो बच्चे हैं।

19 जनवरी की दोपहर 3 बजे उनकी पत्नी रंजिता यादव ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने थाने में लिखित शिकायत करते हुए आरोप लगाया था। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में उनकी पत्नी रंजिता की तखतपुर खैरी निवासी सौरभ विश्वास पिता दीपक विश्वास से दोस्ती हो गई थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया। इसी दौरान उसने दोनों की मोबाइल में फोटो ले ली। उसके बाद वह उनकी पत्नी को फोटो सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग करने लगा। भय से उनकी पत्नी उसे 2 लाख रुपए दे चुकी थी। उसके बाद भी उसे पैसा देने के लिए युवक दबाव बना रहा था। 19 जनवरी को युवक ने पैसा भेजने के लिए उनके पत्नी मोबाइल में अपना बैंक एकाउंट व बार कोड भेजा था। पति ने मामले की लिखित शिकायत सकरी थाने में की है।

इधर पुलिस ने मृतका का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मृतका को मोबाइल जब्त कर जांच में जुट गई है। शनिवार को पुलिस ने जांच के बाद बीएनएस की धारा 108 के तहत जुर्म दर्ज कर प्रेमी सौरभ विश्वास को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर, दो की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आरंग क्षेत्र में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। अमेठी रोड स्थित बजरंग केमिकल कंपनी के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में एक बुजुर्ग महिला और एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। ग्राम गुल्लू निवासी नन्द कुमार लोधी अपनी मां राजकुमारी लोधी और सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य डोमार सिंह लोधी की मां कुंती बाई लोधी को बाइक पर बैठाकर आरंग में एक शादी

समारोह से वापस लौट रहे थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि घर वापसी का यह सफर इतना भयावह होगा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अमेठी रोड मोड के पास सामने से आ रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही और अत्यधिक रफ्तार से वाहन चलाते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर दूर जा गिरे और उनके सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से घायलों को तत्काल शासकीय अस्पताल आरंग पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद कुंती बाई लोधी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, नन्द कुमार और राजकुमारी लोधी की नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए तत्काल रायपुर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान एक युवक ने भी दम तोड़ दिया। आरंग पुलिस ने फरार ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है और ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पिकअप ने दो बाइक को लिया चपेट में, एक की मौत

सूरजपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सुतिया नाला के पास एक तेज रफ्तार पिकअप ने दो बाइक सवारों को चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। गंभीर घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। घटना से आक्रोशित लोगों ने पिकअप चालक की पिटाई कर दी, जिसके बाद वह भीड़ को चकमा देकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि पिकअप पहले जप्त अवैध धान लेकर लौट रहा था। पुलिस ने वाहन जप्त कर जांच शुरू कर दी है।

कैंप क्षेत्र से लापता बच्चियां उसलापुर स्टेशन पर सकुशल मिली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अर्जुन नगर कैंप-1 क्षेत्र से लापता तीन बच्चियां सकुशल मिल गई हैं। बच्चियों के लापता होने की सूचना मिलते ही घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी द्वारा राजपत्रित अधिकारियो के नेतृत्व में चार विशेष टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज, गवाहों एवं रेलवे पुलिस के सहयोग से उसलापुर रेलवे स्टेशन में सकुशल बरामद किया गया। बालिकाओं को सुरक्षित चिल्ड्रन होम में रखा गया। परिजन तीनों बच्चियों को लेने रवाना हो चुके हैं।

मिली जानकारी के अनुसार फरवरी 2026 को सायं लगभग

04:00 बजे थाना सुपेला क्षेत्र अंतर्गत अर्जुन नगर कैंप-1, सुपेला की रहने वाली तीन बालिकाएं घर से नाराज होकर बिना बताए चली गई थीं। 7 फरवरी 2026 को परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने पर थाना सुपेला में गुमशुदगी कायम कर विधिवत विवेचना में लिया गया। बालिकाओं के गुम होने की सूचना प्राप्त होते ही दुर्ग जिला पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए , नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी एवं उप पुलिस अधीक्षक बालक विरुद्ध अपराध चित्रा वर्मा के नेतृत्व में चार अलग-अलग टीमों का गठन किया गया।

टीमों द्वारा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन, गवाहों से पूछताछ एवं संभावित स्थानों पर लगातार पतासाजी की गई। साथ ही आरपीएफ, जीआरपी एवं चाइल्ड लाइन को भी सूचना देकर समन्वय स्थापित किया गया। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर रेल्वे पुलिस द्वारा तीनों बालिकाओं को उसलापुर, जिला बिलासपुर से सकुशल दस्तयाब किया गया है। बालिकाओं को नियमानुसार सुरक्षित चिल्ड्रन होम में रखा गया है। सूचना मिलने पर परिजन दुर्ग पुलिस के साथ बिलासपुर के लिए रवाना हो गए हैं। उक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी एवं उप पुलिस अधीक्षक बालक विरुद्ध अपराध,चित्रा वर्मा के नेतृत्व में 4 टीम और सुपेला पुलिस स्टाफ, महिला एवं बाल सुरक्षा इकाई, तथा गठित विशेष टीमों की सक्रिय एवं समन्वित भूमिका सराहनीय रही। साथ ही आरपीएफ, जीआरपी एवं चाइल्ड लाइन के सहयोग से बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब किया जा सका। दुर्ग पुलिस ने अपील करते हुए कहा कि बच्चों के संबंध में किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति या गुमशुदगी की सूचना तत्काल नजदीकी थाना अथवा डायल 112 पर दें। समय पर सूचना मिलने से त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई संभव हो पाती है।

परीक्षा देने आई युवती के जेवर चोरी, गेट के बाहर स्कूटी की डिग्गी से पर्स ले गए चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, खम्हरिया परिसर में परीक्षा देने आई युवती का पर्स चोरी हो गया। अज्ञात चोर ने एक्टिवा की डिग्गी खोलकर पर्स निकाल लिया। जिसमें सोने के जेवर, कैश और 2 मोबाइल थे। चोरी की कुल कीमत करीब 45 हजार रुपए बताई जा रही है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, आकांक्षा पटेल राजनांदगांव की रहने वाली है। 8 फरवरी को वह सीटेट परीक्षा देने राजनांदगांव से भिलाई स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज खम्हरिया पहुंची थी। सुबह करीब

9 बजे एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले उसने 3 सोने की अंगूठियां, एक जोड़ी सोने के कान के टॉप्स, 8 हजार कैश, वीवो का मोबाइल और आईफोन पर्स में रख लिया।

परीक्षा केंद्र के अंदर सामान ले जाना प्रतिबंधित था, इसलिए आकांक्षा ने पर्स को अपनी एक्टिवा (सीजी 08 एसी 6900) की डिग्गी में रखकर वाहन लॉक कर दिया और परीक्षा देने कॉलेज के अंदर चली गई। परीक्षा खत्म होने के बाद जब वह वापस वाहन के पास पहुंचीं और डिग्गी खोली, तो पर्स गायब था।

पीड़िता ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक्टिवा की डिग्गी खोलकर उसमें रखा पर्स चोरी कर लिया। घटना की जानकारी युवती ने अपने भाई को दी और इसके बाद स्मृति नगर चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर कॉलेज परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने अवैध स्क्रैप यार्ड पर मारा छापा लगभग 30 लाख का सामान किया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर उरगा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। जानकारी के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना उरगा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरबसपुर बायपास रोड स्थित एक अवैध स्क्रैप यार्ड पर दबिश दी गई।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि स्क्रैप यार्ड में चोरी से संबंधित हाइवा, ट्रैलर एवं ट्रक के पुर्जे सहित भारी मात्रा में लोहे का सामान अवैध रूप से संग्रहित है। जांच के दौरान यार्ड संचालक मौके पर मिला, लेकिन वह सामग्री से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं

कर सका।

दस्तावेजों पेश न करने के अभाव में पुलिस ने लगभग 1200 टन ट्रैलर की मंडी, डाला बॉडी एवं अन्य लोहे का सामान जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये बताई जा रही है। नगर निगम टीम द्वारा पंचनामा तैयार कर स्क्रैप यार्ड को सीलबंद किया गया है।

मामले में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है। कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी आग : शॉर्ट सर्किट से सामान खाक, दमकल टीम ने आग पर पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा में बंटी इलेक्ट्रॉनिक दुकान के गोदाम में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

घटना अकलतरा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, बंटी इलेक्ट्रॉनिक के संचालक ने यह गोदाम किराए पर लिया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक सामान रखे गए थे। सोमवार सुबह करीब 7 बजे गोदाम से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग भड़क उठी और कुछ ही मिनटों में पूरा सामान इसकी चपेट में आ गया।

दमकल टीम ने आग पर पाया काबू

आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया। वहीं अब नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

अकलतरा पुलिस टीम भी घटना स्थल पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर लोगों को गोदाम के आसपास से हटाया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों से भी जांच कराई जाएगी।

किशोरी ने लगाई फांसी पुलिस कर रही जांच

बिलासपुर। बिलासपुर किशोरी ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। खुदकुशी के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चला है। परिजनों ने पुलिस को उसके मानसिक स्थिति कुछ दिनों से ठीक नहीं होने की जानकारी दी है। जांच चल रही है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है। ग्राम सोन निवासी ईश्वरी पटेल पिता सुखीराम (17) शनिवार की रात को खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। रविवार की सुबह करीब 6 बजे परिजन सोकर उठे तो ईश्वरी का कमरा भीतर से बंद था। लगातार आवाज लगाने पर भीतर से कोई जवाब नहीं मिला तो संदेह हुआ। खिड़की तोड़कर घरवालों ने भीतर झांका तो ईश्वरी का शरीर फंदे पर लटक रहा था। उसने फांसी लगा ली थी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पीएम कराया।

मासूम पर कुल्हाड़ी से मारने वाला बुजुर्ग पकड़ाया, पारिवारिक विवाद में किया था वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में ढाई साल के मासूम बच्चे पर कुल्हाड़ी से वार करने वाला आरोपी बुजुर्ग पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। उतई पुलिस ने इस मामले में परदेशी राम देवांगन, उम्र 66 वर्ष निवासी बजरंग चौक, ग्राम जोरातराई को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 109, 296, 351(3) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

बता दें 7 जनवरी को थाना उतई क्षेत्र अंतर्गत पारिवारिक विवाद के दौरान एक नाबालिग बालक पर प्राणघातक हमला किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। प्रार्थिया द्वारा दर्ज रिपोर्ट के अनुसार आरोपी द्वारा आवेश में आकर बालक के सिर पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बालक को तत्काल उपचार हेतु

बीएम शाह अस्पताल, भिलाई में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। विवेचना के दौरान आरोपी की पतासाजी कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार एवं घटना के समय पहने गए कपड़े जप्त किए गए हैं। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। प्रकरण के अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना उतई के निरीक्षक महेश कुमार ध्रुव, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पाण्डेय, आरक्षक महेश यादव एवं आरक्षक दीपक जॉन की सराहनीय भूमिका रही।

कपड़ा दुकान का शेड तोड़कर गल्ले से रकम ले गया चोर

बिलासपुर। बिलासपुर कपड़ा दुकान का शेड तोड़कर चोर गल्ला से करीब 25 हजार रुपए चोरी कर ले गया। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। ईदगाह चौक निवासी मोहम्मद रिजवान आलम पिता मोहम्मद जफर (31) का मगरपारा में किस्म हॉस्पिटल के सामने रेड मेगा मार्ट नाम से कपड़े की दुकान है।

शनिवार की रात करीब 10.30 बजे वह दुकान बंद कर घर आ गया था। रविवार की सुबह करीब 10.30 जाकर दुकान खोला तो टीन का शेड टूटा था और भीतर गल्ला खुला था।

इसमें से करीब 25 हजार रुपए गायब थे। कोई रात में चुराकर ले गया था। दुकानदार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस जांच कर रही है।

प्रमुख खबरें

संत कवि पवन दीवान की पुण्यतिथि कल

गरियाबंद। स्वामी अमृतानंद संत कवि पवन दीवान की पुण्यतिथि आज मनाई जाएगी। श्रीमद् भागवत महापुराण में इनके द्वारा कहे जाने वाले कथा को सुनने के लिए लोग टूट पड़ते थे। लोगों के दिलों में राज करने वाले दीवान जी 2 मार्च 2016 को ब्रह्मलीन हो गए। स्वामी अमृतानंद स्मृति छत्तीसगढ़ ब्रह्मचर्य आश्रम न्यास समिति राजिम के अध्यक्ष संतोष उपाध्याय एवं श्री राजीव लोचन मंदिर ट्रस्ट के मैनेजर पुरुषोत्तम मिश्रा ने बताया कि इस मौके पर चरण पादुका पूजन तथा संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों के द्वारा मंत्रोचार किया जाएगा और भोजन प्रसादी प्रदान की जाएगी।

सीनियर महिला वनडे, छत्तीसगढ़ की दूसरी जीत

रायपुर। बीसीसीआई की ओर से आयोजित सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को 4 विकेट से शिकस्त दी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 8 फरवरी 2026 को गुजरात के बड़ोदरा में खेला गया। टॉस जीतकर छत्तीसगढ़ ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 234 रन बनाए। टीम की ओर से राघवी ने सबसे ज्यादा 77 रन की पारी खेली। इंद्राणी (43 रन) और कंचन (40 रन) ने भी अहम योगदान दिया।

10वीं-12वीं बोर्ड का परीक्षा शुल्क 5 साल में 460 से 800

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने करीब पांच साल बाद 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। यह बढ़ा हुआ शुल्क शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगा। नए प्रावधान के तहत नियमित परीक्षार्थियों को अब बोर्ड परीक्षा, अंकसूची और प्रति विषय प्रैक्टिकल शुल्क मिलाकर 800 रुपए चुकाने होंगे, जबकि पहले इसके लिए 460 रुपए देने पड़ते थे। बोर्ड परीक्षा के आवेदन फॉर्म के शुल्क में भी 70 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां आवेदन शुल्क 80 रुपए था, अब इसे बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया गया है। प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति के शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके लिए अब भी 80 रुपए ही देने होंगे।

गुलजार हुआ मैत्रीबाग

25 फीट का शेर और 30 फीट का बारहसिंघा बने आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मैत्रीबाग में रविवार को फ्लावर शो देखने के लिए करीब 40 हजार लोग जुटे। खूबसूरत रंग बिरंगे फूल, विशालकाय लौकी सहित अन्य सब्जियां, फ्लावर डेकोरेशन, रंगोली वगैरह लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहे। बीएसपी स्कूल सेक्टर 7 की प्रिंसिपल रुबी बर्मन राय क्वीन आफ द शो और रीना दीक्षित किंग आफ द शो घोषित की गई।

बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज चित्तरंजन महापात्र मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता ईडी एचआर पवन कुमार ने की। इस साल पर्यटकों में विशेष उत्साह नजर आया। लगभग 40 हजार लोगों ने यह शो देखा। 25 फीट के शेर और 30 फीट के बारासिंघा के मॉडल दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने। इसके साथ ही कई कलात्मक रचनाओं ने लोगों का दिल जीत लिया।

इस विशेष आयोजन ने प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों को खासा आकर्षित किया. इस फ्लावर शो में बीएसपी और नॉन-बीएसपी के रेसिडेंशियल हाउस गार्डन ने हिस्सा लिया. जिसमें सेक्टर 1 से सेक्टर 10 तक के प्रतिभागी शामिल रहे. इसके अलावा हॉस्पिटल सेक्टर, मरोदा सेक्टर, रिसाली और रूआबांधा क्षेत्र के प्रतिभागियों ने भी इसमें भाग लिया.

फ्लावर शो में कई किस्मों के फूलों की विभिन्न श्रेणियों में आयोजित प्रतियोगिताओं ने पूरे परिसर को रंगों और खुशबुओं से सराबोर कर दिया। फ्लावर शो को देखने सिर्फ भिलाई ही नहीं, बल्कि अलग-अलग राज्यों से भी पर्यटक आए थे। आयोजन के तहत हाई स्कूल और मिडिल स्कूल के स्कूल गार्डन, पॉटेड प्लांट, कट फ्लावर, फ्लोरल डेकोरेशन, फल और सब्जियों से बने मॉडल ने दर्शकों का दिल जीता. इसके अलावा रंगोली, माला निर्माण, बुके और सलाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। किंग ऑफ द शो और क्वीन ऑफ द शो जैसे आकर्षक पुरस्कार भी प्रतिभागियों को प्रदान किए गए, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच और बढ़ गया।

खेल मड़ई बना स्वास्थ्य और सौहार्द का मंच - महिला बाल विकास मंत्री

इंटर प्रेस क्रिकेट में बढ़ाया खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। पत्रकारों की व्यस्त दिनचर्या के बावजूद खेलों के प्रति उनका उत्साह सराहनीय है। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित खेल मड़ई को प्रेरणादायक पहल बताते हुए सभी आयोजकों और प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएं दीं।

रायपुर प्रेस क्लब द्वारा स्वर्गीय कुलदीप निगम की स्मृति में खेल मड़ई के अंतर्गत नेताजी सुभाष स्टेडियम, रायपुर में इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पत्रकार जगत की विभिन्न टीमों के बीच उत्साहपूर्ण और रोमांचक मुकाबले खेले जा रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य पत्रकारों को उनकी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर खेलों से जोड़ना, आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मैदान में पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग ले रहे पत्रकार खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी सहयोग, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, सहसचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े, खेल आयोजन समिति के संयोजक विजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित रहे।

वैवाहिक फिजूलखर्ची को छोड़ कर बाबा गुरू घासीदास के बताए सादगी की राह पर चलें : मंत्री खुशवंत साहेब

- राज्य सरकार द्वारा गुरु घासीदास बाबा के मेला आयोजन के लिए राशि स्वीकृत की गई है

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्री गुरु खुशवंत साहेब रविवार को सारंगढ़ में प्रदेश स्तरीय सतनामी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के सादा जीवन, उच्च विचार के जो संदेश दिए गए हैं जो संस्कृति और संस्कार बताए गए हैं, उसके सादगी विवाह की परम्परा को हमें गर्व के साथ अपनाने की जरूरत है। केबिनेट मंत्री ने कहा कि, जिस प्रकार आज हम दिखावे की ओर आगे बढ़ रहे हैं। दिखावे की शादी में धन का खर्च बहुत ज्यादा है। लड़का ढूंढना है या लड़की ढूंढना है तो हम सब लोगों को कितनी परेशानी होती है। आज लोग विवाह को सम्मान और इज्जत के रूप में देखते हैं और मन मुताबिक शादी करते हैं भले ही कर्ज लेना पड़े। दिखावे से थोड़ा उठके हमें सादा विवाह की राह बहुत पहले गुरु घासीदास ने दी है। इसमें किसी प्रकार का खर्च नही है। समाज में एक दूसरे के प्रति प्रेम की भावना स्थापित करें।

मंत्री ने कहा कि गिरौदपुरी हो, भंडारपूरी हो, लालपुर धाम हो, चाहे हर जगह के लिए करोड़ों रुपए पैसा स्वीकृत है। किसी प्रकार के कोई कमी नहीं है सिर्फ धार्मिक स्थल की उन्नति और विकास है।

सारंगढ़ में प्रतिवर्ष बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती मनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने इसके लिए राशि स्वीकृत की है जो आजतक चल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हमारा लगातार सहयोग कर रहे हैं। शिक्षा के स्तर में भी सीजीपीएससी में एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर बनते हैं, उसकी फ्री कोचिंग की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र से सर्व समाज की उन्नति और विकास के लिए कार्य कर रही है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, सदस्य लता लक्षमे, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनवानी, पूर्व विधायक सनम जांगड़े केराबाई मनहर, निर्मल सिन्हा, ज्योति पटेल, सुभाष जालान, अजय गोपाल, वेदराम जांगडे, हरिनाथ खूंटे, शिव कुमारी चौहान बी डी भारद्वाज, आयोजक अजय कोसले सहित बड़ी संख्या में युवक युवती, पालक, सतनामी विकास परिषद के सदस्य और पत्रकारगण उपस्थित थे।

राजधानी में अगले छह माह में दौड़ने लगेंगी 40 ई-बसें

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मंत्रालय के कर्मचारियों और आम नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रायपुर से नवा रायपुर के बीच अगले छह महीनों में ई-बसों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। यह परियोजना केंद्र सरकार के सहयोग से संभव हो रही है, जिससे नवा रायपुर में आवागमन सुगम होगा और वहां की बसाहट को बढ़ाने के सरकारी प्रयासों को भी बल मिलेगा।

रायपुर से नवा रायपुर का अधिकतम किराया 45 रुपये रखा जा सकता है। एनआरडीए के अधिकारियों के अनुसार, डीजल बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर इलेक्ट्रिक बसों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे ईंधन की लागत कम होगी और रायपुर तथा नवा रायपुर के शांत वातावरण में प्रदूषण का स्तर भी घट जाएगा।

नवा रायपुर स्थित मंत्रालय और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने वाले लोगों के लिए पिछले सात-आठ वर्षों से चल रहा इंतजार अब समाप्त होने वाला है। प्रशासन ने रायपुर और नवा रायपुर को जोड़ने के लिए 40 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तैयारी पूरी कर ली है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए डीवी प्रोजेक्ट लिमिटेड को चुना है।

कंपनी को 73.80 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से टेंडर दिया गया है। अनुबंध के अनुसार, वर्कआर्डर मिलने के छह महीनों के भीतर ई-बसें सड़कों पर दिखाई देने लगेंगी। यह अनुबंध 10 वर्षों की अवधि के लिए किया गया है, जिससे परिवहन व्यवस्था में स्थिरता बनी रहेगी।

ई-बसों के सुचारू संचालन के लिए बुनियादी ढांचे पर भी काम शुरू हो चुका है। एनआरडीए ने चीचा क्षेत्र में एक अत्याधुनिक डिपो का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस डिपो में बसों की पार्किंग और रखरखाव के लिए विशेष वर्कशाप के साथ ही बसों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग पाइंट भी स्थापित किए जाएंगे। बसों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा, ताकि लाइव मानिटरिंग की जा सके।

नई ई-बसें न केवल पर्यावरण के अनुकूल होंगी, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी उन्नत होंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इनमें कई विशेष फीचर्स जोड़े गए हैं। प्रत्येक बस सीसीटीवी कैमरों और जीपीएस से लैस होगी। यात्रियों को अगले स्टॉप और रूट की जानकारी डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पर मिलेगी।

चंदन कुमार, सीईओ, एनआरडीए का कहना है कि ई-बसों के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हमारा लक्ष्य अगले छह महीने में ई-बसों का संचालन शुरू करना है। इससे यात्रियों को एक आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण मित्र परिवहन का विकल्प मिलेगा।

अनछुआ छत्तीसगढ़

इस मंदिर में शिवलिंग ग्रीष्म में दो भागों में विभक्त हो जाता है जिसे भगवान का अर्धनारीश्वर रूप कहा जाता है। जैसे शिवलिंग स्वयमेव विभक्त होता है, उसी तरह वह अपने आप जुड़ भी जाता है। इस मंदिर की ख्याति इतनी है कि साल भर यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। महाशिवरात्रि पर यहां भक्तों का विशाल जमावड़ा लगता है।

15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जायेगा जिसमें 14 व 15 फरवरी रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

बेलदार सिवनी
साल में 3 बार रंग बदलता शिवलिंग

बेलदार राजा की राजधानी बेलदार सिवनी में एक अद्भुत प्राचीन शिवलिंग है जो साल में तीन बार अपना स्वरूप बदलता है इस प्रतिमा को लोग धरती फोड़ महादेव के नाम से भी जानते हैं।

खरोरा। रायपुर जिले के तिल्दा ब्लॉक में स्थित बेल्दारसिवनी गांव के एक अनोखे शिवलिंग है। इस प्राचीन शिवलिंग को स्थानीय लोग 'धरतीफोड़ महादेव' के नाम से जानते हैं।

यह मंदिर कितना पुराना है, इसके बारे में गांव के 80 साल के बुजुर्ग भी नहीं बता पाए। यह क्षेत्र कभी बेल्दार राजा की राजधानी हुआ करता था।

मंदिर के चारों ओर लगभग 1000 वर्ग फीट में फैला एक कुंड है। कहा जाता है कि सावन के महीने में इस कुंड की गंदगी और दुर्गंध अपने आप गायब हो जाती है। बेल्दारसिवनी अपनी पूर्ण शराबबंदी के लिए भी प्रसिद्ध है। सालों पहले गांव वालों ने कड़ा फैसला लेकर शराब बेचने और पीने वालों पर पाबंदी लगा दी थी जिसकी परंपरा आज भी जारी है।

इस कुंड को अब शिव कुंड का नाम दिया गया है और इस कुंड के बीच में लक्ष्मी नारायण भगवान की प्रतिमा स्थापित है चारों ओर द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन देखने को मिलते हैं।

बेलदार सिवनी के इस धरतीफोड़ महादेव को अर्धनारीश्वर भी कहा जाता है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार गर्मी के दिनों में ढाई फीट ऊंची और 8 इंच विकास की प्रतिमा बीचो-बीच दो भागों में विभक्त हो जाती है तब इस प्रतिभा में अर्धनारीश्वर महादेव की झलक दिखाई देती है। सावन के महीने में यह प्रतिमा अपनी पूर्ण आकृति को प्राप्त करती है तब इसे जड़ महादेव के नाम से लोग जानते हैं। ठंड के दिनों में प्रतिमा चिकनी और तैलीय काले रंग की हो जाती है गर्मी में प्रतिमा खुरदुरा होकर अपना चोला छोड़ती है। इसके बावजूद इस मंदिर की सुरक्षा पर शासन या पुरातत्व विभाग का ध्यान अब तक नहीं गया है ग्रामीण खुद समय-समय पर इसका जीर्णोद्धार करते हैं। इसी तारतम्य में गांव के पूर्व सरपंच व वर्तमान जनपद सदस्य मुकेश वर्मा ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए संकल्प लिया एवं बाबा अर्द्धनारीश्वर मंदिर जीर्णोद्धार निर्माण समिति बेलदार सिवनी का गठन किया।

इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह साल में तीन बार अपना स्वरूप बदलता है:

गर्मी में: प्रतिमा बीच से दो भागों में बंट जाती है, जिससे इसमें अर्धनारीश्वर (आधा शिव, आधा शक्ति) का रूप स्पष्ट दिखाई देता है। इस दौरान यह खुरदुरा भी हो जाता है।

सावन (बरसात) में: यह वापस अपनी पूर्ण आकृति में आ जाता है, जिसे लोग 'जड़-महादेव' कहते हैं।

ठंड में: शिवलिंग का रंग गहरा काला हो जाता है और इसकी सतह चिकनी व तैलीय दिखाई देने लगती है।

विगत 2 से 3 वर्ष में दानदाताओं के सहयोग से मंदिर का भव्य स्वरूप का निर्माण कराया। परिसर से लगे कुंड में ही 12 ज्योर्तिलिंग व शिव मंदिर में अन्य देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। 5 फरवरी को कलश यात्रा निकाली गई। 6 फरवरी को वेदी पूजन और आधिवास यज्ञ संपन्न हुआ। 7 फरवरी को प्रातः 10 बजे से भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा, हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं विशाल भोग-भंडारे का आयोजन किया गया।

दर्शनार्थियों ने मंदिर परिसर पर बने कुंड में म्यूजिकल फाउंटेन की मांग शासन से की है जिससे मंदिर की भव्यता और बढ़ जाए। मान्यता के अनुसार लोगों मांग भगवान भोलेनाथ जरूर सुनते है और उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950